दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, शनिवार 21 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 155 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

सुविचार

समय की रेत पर कदमों के निशान बैठकर नहीं बनाये जा सकते।
– कहावत

धोखाधड़ी में आरोपी तय नहीं कर सकता एफआईआर का स्थान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि साइबर धोखाधड़ी जैसे संगठित अपराधों के मामलों में कोई भी आरोपी यह तय नहीं कर सकता कि पीड़ित उसके खिलाफ किस स्थान पर प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराएं। शीर्ष अदालत ने वर्चुअल क्लाउड स्पेस की बिक्री से जुड़े कथित निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी भूमि पटेल द्वारा विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की मांग वाली याचिका को खारिज किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत,न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने गुजरात के गांधीनगर और हरियाणा के फरीदाबाद में दर्ज आपराधिक मामलों को एक साथ नत्थी करने से इंकार किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने तर्क दिया कि जांच में समानताएं होने को आरोपी को लाभ पहुंचाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। न्यायमूर्ति बागची ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोई आरोपी विभिन्न राज्यों की पुलिस को उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले कथित अपराधों की जांच करने से नहीं रोक सकता। शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि संगठित साइबर अपराधों से निपटने के मामलों में कानून को यथासंभव सख्ती से लागू होना चाहिए।

कावेरी जल विवाद केय में तमिलनाडु को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली। कावेरी जल विवाद में तमिलनाडु सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने कर्नाटक को 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग वाली तमिलनाडु की याचिका खारिज कर दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का आदेश देने से भी इनकार कर दिया। तमिलनाडु सरकार का कहना था कि राज्य में पानी की कमी के कारण किसानों और फसलों को नुकसान हो रहा है। कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। यह विवाद दशकों पुराना है और दोनों राज्य नदी के पानी पर अपना अधिकार जताते रहे हैं। पानी की मात्रा और उसके इस्तेमाल को लेकर समय-समय पर दोनों राज्यों के बीच तनाव की स्थिति पैदा होती रही है। इसी विवाद के बीच तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। राज्य ने अदालत से अपील की थी कि कर्नाटक को अतिरिक्त 11 टीएमसी पानी छोड़ने का निर्देश दिया जाए। टीएमसी पानी की मात्रा मापने की एक इकाई है।

पूर्व आईपीएस किरण बेदी को सरकार ने बनाया राष्ट्रीय मेंटर

नई दिल्ली। देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ किरण बेदी को सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद यानी एनसीटीई ने राष्ट्रीय मेंटर के रूप में शामिल किया है। किरण बेदी ने इससे पहले भी शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है। किरण बेदी को यह जिम्मेदारी शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार की मेंटरिंग इनिशिएटिव फॉर टीचिंग, रिसर्च एंड असेसमेंट (मित्रा) पहल के तहत सौंपी गई है। इसका उद्देश्य देशभर के शिक्षकों को अनुभवी शिक्षाविदों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिष्ठित हस्तियों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। जानकारी के मुताबिक इसके जरिए ऑनलाइन संवाद के जरिए शिक्षकों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाएगा,ताकि उनके शिक्षण कौशल, व्यावसायिक दक्षता और विद्यार्थियों को सिखाने के परिणामों में सुधार किया जा सके। इस पहल से जुड़ने पर किरण बेदी ने कहा कि यह सेवानिवृत्त अधिकारियों, अनुभवी पेशेवरों और वरिष्ठ शिक्षाविदों के लिए अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए समाज को योगदान देने का विश्वसनीय मंच है। उन्होंने शिक्षकों को केंद्र में रखकर तैयार की गई इस पहल की सराहना भी की है।

राजधानी भोपाल में बनेगी 300 करोड़ रुपये की अत्याधुनिक लैब

विदेश जाकर देश को बदनाम करने वालों को दिया करारा जवाब : शिवराज सिंह

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार को भोपाल में बर्ड फ्लू (एच5एन1) की देश की पहली स्वदेशी चिकन वैक्सीन राष्ट्र को समर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने भोपाल में 300 करोड़ रुपये की लागत से एक नई अत्याधुनिक प्रयोगशाला (लैब) स्थापित करने की भी घोषणा की। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि मात्र 1 से 2 रुपये की बेहद किफायती कीमत वाली यह वैक्सीन बर्ड फ्लू के इस वेरिएंट की दुनिया की पहली वैक्सीन है,जो देश के लाखों पोल्ट्री किसानों की आजीविका को सुरक्षित करने के साथ-साथ पशुपालन क्षेत्र को सालाना होने वाले हजारों करोड़ रुपये के नुकसान से बचाएगी। शिवराज सिंह ने विदेशों में जाकर देश की संवैधानिक संस्थाओं और वैज्ञानिकों की क्षमता पर सवाल उठाने वाले विपक्षी नेताओं पर तीखा राजनीतिक प्रहार किया। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना उनकी आलोचना करते हुए कहा कि आज वो लोग भी बड़े ध्यान से देखें, जो दुनिया में जाकर अपने ही देश को बदनाम करने का पाप करते हैं। जो लोग संवैधानिक पदों पर बैठकर विदेशों में भारत के संविधान पर टिप्पणी करते हैं, संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करते हैं, देश की सेना, वैज्ञानिकों और आमजन के परिश्रम पर सवाल खड़े करते हैं, उन्हें आज का यह बदलता, आत्मनिर्भर और विकसित भारत देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले हमारे वैज्ञानिकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी टास्क फोर्स के माध्यम से मात्र 9 महीने में कोविड की दो स्वदेशी वैक्सीन बनाकर दुनिया को चौंका दिया था और आज बर्ड फ्लू की पहली स्वदेशी वैक्सीन बनाकर भारत के सामर्थ्य का लोहा मनवाया है।

सरकार के टीकाकरण अभियान से पशु रोगों पर होगा नियंत्रण

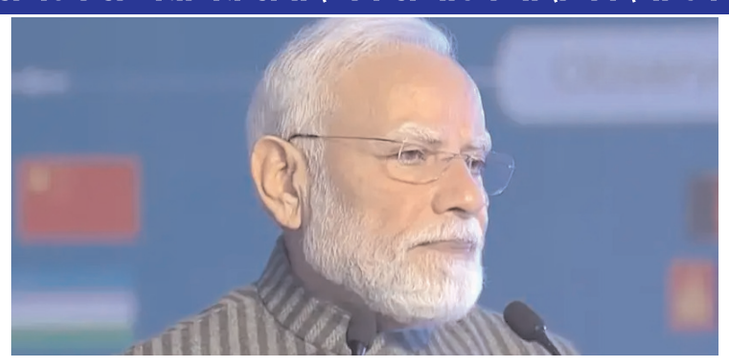


भोपाल। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान श्रीकृष्ण की धरती मथुरा से राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया था,जिसके तहत खुरपका-मुँहपका रोग से बचाव के लिए अब तक 147 करोड़ 16 लाख मुफ्त खुराकें दी जा चुकी हैं और लम्पीस्किन डिजीज पर काबू पा लिया गया है। इसी तरह 2022 में जब लंपी त्वचा रोग से 32 लाख 80 हजार पशु संक्रमित हुए थे और 1 लाख 86 हजार पशुओं की मौत हुई थी,तब हिसार और इज्जतनगर के वैज्ञानिकों ने लंपी प्रोवैकइंड टीका बनाया। भोपाल के इसी संस्थान ने पहले भी गंबोरो वैक्सीन,ब्रुसेला एबॉर्टस एस-19 डेल्टा वैक्सीन,क्लासिकल स्वाइन फीवर और अफ्रीकन स्वाइन फीवर के स्वदेशी टीके बनाकर देश को गौरवान्वित किया है। इस दौरान वैक्सीन बनाने वाले वैज्ञानिकों- डॉ.एस.नागराजन,डॉ.मनोज कुमार,डॉ.सी. तोश, डॉ.एच.वी.मुरगकर, डॉ.अनिकेत सान्याल, डॉ.सेंथिल कुमार डी.,डॉ.नवीन कुमार और डॉ.योगीशाराध्या आर.को रियल हीरो बताते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने उनके संघर्ष को साझा किया। उन्होंने बताया कि इन वैज्ञानिकों ने शनिवार और रविवार की छुट्टियां लिए बिना महीनों तक लगातार शोध किया। लैब के कड़े जैव-सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उन्हें घर जाने से पहले और बाद में सैनिटाइजेशन करना पड़ता था,रोज 120 लीटर पानी से नहाना पड़ता था और पूरी रिसर्च के दौरान वे अपने घरों में कोई पालतू पशु भी नहीं रख सकते थे। केंद्रीय मंत्री ने वैज्ञानिकों की इस साधना और सैनिक जैसे समर्पण को बारंबार प्रणाम किया।

युवाओं को एक-दूसरे की भाषा और संस्कृति से जुड़ने के अवसर देने की जरूरत : प्रधानमंत्री

शंघाई सहयोग संगठन सभ्यतागत संवाद मंच से पीएम मोदी ने दिया एकजुटता का संदेश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पहले 'सभ्यागत संवाद' में युद्ध और अशांति के बीच एकता एवं शांति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि साम्राज्यों ने दुनिया के नक्शे बदले,लेकिन संस्कृति ने दुनिया के विचारों को बदलने और वैचारिक समृद्धि को ताकत देने का काम किया। हैं। संस्कृति हमें आपस में जोड़ती है और यही इस संवाद का मूल उद्देश्य है। यह एक नई परंपरा की शुरुआत है। प्रधानमंत्री ने पुराना किला में प्रथम शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साझा संस्कृति और सभ्यतागत विरासत ही विभिन्न देशों और समाजों को आपस में जोड़ती है और यह भारत की ही तरह विश्व में भी विविधता में एकता का आधार बन सकती है। उन्होंने भारतीय दर्शन के संदेश 'प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो' का उल्लेख करते हुए कहा कि सभ्यताओं के बीच संवाद का उद्देश्य भी आपसी सद्भाव,सहयोग और विश्व कल्याण की



भावना को मजबूत करना है। 20 से 22 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस संवाद का उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध और परस्पर जुड़ी सभ्यतागत विरासत को प्रदर्शित करना, लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करना तथा अंतर-सांस्कृतिक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री कहा कि आज जब दुनिया में युद्ध और अशांति के बीच शांति की उम्मीदों पर चर्चा हो रही है, तब शंघाई सहयोग संगठन के देश सभ्यताओं के जुड़ाव और संवाद पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह संवाद दुनिया को नई दिशा देने वाला मंच बन सकता है। उन्होंने कहा कि एससीओ देश संयुक्त प्रदर्शनियों, शोधकर्ताओं के आदान-प्रदान कार्यक्रमों और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा दे सकते हैं। इसके साथ ही साझा सांस्कृतिक मार्ग और विरासत परिपथ विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने युवाओं को एक-दूसरे की भाषा,साहित्य और संस्कृति से जुड़ने के अधिक अवसर देने की जरूरत है। इसके लिए रचनात्मक मंचों के माध्यम से साझा विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है और स्थानीय कलाकारों को भी इन प्रयासों से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की तकनीक ने दुनिया में सांस्कृतिक जुड़ाव की नई संभावनाएं पैदा की हैं। एससीओ देशों को इन संभावनाओं का लाभ उठाना चाहिए। संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अभिलेखागार में मौजूद अनमोल विरासत को तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है। प्राचीन ग्रंथों के डिजिटलीकरण और अनुवाद तथा संयुक्त शोध के जरिए नई जानकारियां सामने लाई जा सकती हैं। इससे एक देश में बैठकर दूसरे देश की सांस्कृतिक विरासत को बेहतर ढंग से समझना संभव होगा। प्रधानमंत्री ने भारत की ज्ञान विरासत और उसके दुनियाभर में हुए फैलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी शिक्षाएं जितनी प्राचीन हैं, उतनी ही सार्वभौमिक भी है।

कोई भी सीट उसी पार्टी को दी जाएगी, जो जीतने की स्थिति में हो : कांग्रेस

यूपी में सीट बंटवारे पर 23-24 नवंबर को कांग्रेस-सपा के बीच होगी बातचीत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 में सपा, कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की संभावनाएं लगातार तलाशी जा रही है। इस बीच, समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस से सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए कमेटी का गठन कर दिया है। बता दें सपा के 5 नेता कांग्रेस से गठबंधन और सीट बंटवारे पर बातचीत करेंगे। आगामी 23-24 नवंबर को कांग्रेस से सपा की बातचीत होगी। इसमें सीट बंटवारे पर बातचीत आगे बढ़ने की संभावना है। इससे पहले, हाल ही में एक इंटरव्यू में सपा प्रमुख अखिलेश यादव कह चुके हैं कि कांग्रेस ने उनके पास 181 सीटों की लिस्ट भेजी है। हालांकि, अखिलेश का कहना है कि कोई भी सीट दोनों में उसी पार्टी को दी जाएगी, जो संबंधित विधानसभा क्षेत्र में जीतने की मजबूत स्थिति में होगी। इस बीच, कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीते सोमवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के सीनियर नेताओं के साथ एक बैठक की थी। इसमें पार्टी की तैयारियों की समीक्षा की गई और विधानसभा चुनावों के लिए स्ट्रैटेजी पर चर्चा हुई थी। इस बैइक में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी, राजेंद्र पाल गौतम, आराधना मिश्रा, इमरान मसूद और यूपी में कांग्रेस विधायक दल के नेता वीरेंद्र चौधरी शामिल रहे थे। इस बैठक के बाद खड़गे ने कहा था कि चर्चा मुख्य तौर पर यूपी के मौजूदा सियासी हालात और आगामी विधानसभा चुनावों पर केंद्रित रही। उन्होंने भरोसा जताया था कि ये विधानसभा चुनाव भारत की सियासत को एक नई दिशा देने में अहम रोल निभाएंगे। यूपी के लोग परिवर्तन चाहते हैं और वे सामाजिक न्याय, समान अवसर व हाशिए पर मौजूद समुदायों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहते हैं।

तीन साल बाद भारत पहुंचे पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मलिक



कांग्रेस ने पाक मंत्री के भारत आने पर मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच पाकिस्तान के एक मंत्री के भारत पहुंचने पर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ.मुसादिक मलिक 20 से 22 नवंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'स्ष्ठह सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम' में हिस्सा लेने भारत आए हैं। वह इस कार्यक्रम में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। उनके दौरे को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर पाकिस्तान के प्रभारी राजनयिक साद वाराइच ने डॉ. मुसादिक मलिक का स्वागत किया। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के प्रतिनिधि सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक संवाद और आपसी सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ वर्षों से जारी तनाव के बीच करीब तीन साल बाद पाकिस्तान का कोई मंत्री भारत आया है। ऐसे में इस दौरे ने राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। पाकिस्तानी मंत्री के भारत आने पर कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए मोदी सरकार पर हमला बोला। पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के निमंत्रण पर मुसादिक मलिक भारत पहुंचे हैं, जबकि वह पहले भी भारत को लेकर धमकी भरे बयान दे चुके हैं। कांग्रेस ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि मुसादिक मलिक कभी भारतीयों के हाथ काटने तो कभी खून बहाने की धमकी देते रहे हैं। पार्टी ने सवाल उठाया कि एक तरफ पाकिस्तान पर भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारतीय नागरिकों की हत्या कराने के आरोप लगते हैं, वहीं दूसरी तरफ केंद्र सरकार ऐसे पाकिस्तानी मंत्री का स्वागत कर रही है। कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार उनके स्वागत-सत्कार और बिरयानी-कबाब की तैयारी में जुटी है। पार्टी ने इसे देश और देशवासियों के साथ गद्दारी करार देते हुए कहा कि मोदी सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए था। कांग्रेस ने यह भी कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद पर पूरी तरह रोक नहीं लगाता, तब तक उसके साथ किसी तरह की बातचीत नहीं होनी चाहिए। डॉ.मुसादिक मलिक का भारत दौरा इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के संबंधों में भारी तनाव पैदा हो गया था। मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सैन्य संघर्ष चला था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए कार्रवाई की थी।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में केसीपी से जुड़ा एक उग्रवादी ढेर

इंफाल। मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों ने एनकाउंटर में एक उग्रवादी को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल पटसोई पुलिस स्टेशन इलाके के अंतर्गत युरेम्बाम में तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में एक उग्रवादी मारा गया। एक अधिकारी ने बताया कि फायरिंग में प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी के गुट से जुड़ा एक उग्रवादी मारा गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन के कई उग्रवादियों को अरेस्ट भी किया है। ऐसे तत्वों के खिलाफ लंबे समय से कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले हाल में दिल्ली में प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का वांटेड उग्रवादी पकड़ा गया था। बाद में उसे मणिपुर पुलिस को सौंप दिया गया था। बता दें मणिपुर के संवेदनशील क्षेत्रों में मई, 2023 में घाटी में रहने वाले मैती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश-ओडिशा के तट से टकराया चक्रवात अकवान

नदियां और समुद्र उफान पर, 3 लाख लोग किए गए शिफ्ट

कोलकाता,(एजेंसी)। चक्रवाती तूफान अकवान ने शुक्रवार सुबह करीब 7.30 से 8.30 बजे के बीच ओडिशा के गोपालपुर तट के पास दस्तक दे दी है। इस दौरान हवा की रफ्तार 70 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई। तूफान के लैंडफॉल की प्रक्रिया अभी जारी है। इसके प्रभाव से ओडिशा,आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, चक्रवात पिछले छह घंटों के दौरान 21 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा है। तूफान के प्रभाव को देखते हुए ओडिशा में बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चलाया जा रहा है। अब तक करीब तीन लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रभावित लोगों के लिए 2,523 राहत शिविर बनाए गए हैं, जबकि 423 बचाव दलों को तैनात किया गया है। चक्रवात के चलते रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। पूर्वी रेलवे ने 41 और दक्षिण पूर्व रेलवे ने 28 एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया है, जबकि 29 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस चक्रवात का असर देश के 10 राज्यों में देखने को मिल सकता है। चक्रवात 'अकवान' का असर पश्चिम बंगाल के कई जिलों में देखने को मिल रहा है। चक्रवात



'अकवान' के असर से दक्षिण 24 परगना और मिदनापुर में बारिश के साथ हवाएं चल रही हैं। बारिश को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। चक्रवात 'अकवान' के प्रभाव के कारण दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर, रायदिघी, कुलपी, मगराहाट, फाल्टा और अन्य इलाकों में रात भर भारी बारिश होती रही। शुक्रवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और कई जगहों पर हल्की बूंदाबांदी जारी है। खराब मौसम की वजह से सड़कें सुनसान हो गई हैं और जनजीवन प्रभावित हुआ है। बारिश और तेज हवाओं से दक्षिण 24 परगना में नदियां और समुद्र उफान पर हैं। इसे देखते हुए यहां हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है,मछली पकड़ने और समुद्र तट से जुड़ी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है, और सिविल डिफेंस के जवानों को तैनात किया गया है। हालात को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है। जिले के दो प्रमुख पर्यटन स्थलों, बक्खाली और गंगासागर में पर्यटकों को पानी में उतरने या नहाने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इन जगहों पर सिविल डिफेंस के जवानों को तैनात किया गया है और समुद्र तटों पर मौजूद पर्यटकों को सतर्क करने के लिए लाउडस्पीकर से घोषणाएं की जा रही हैं। इस बीच, लगातार हो रही बारिश के कारण धान के खेतों में पानी भर गया है, जिससे किसानों को फसल खराब होने की चिंता सता रही है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिले के विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों में कंट्रोल रूम खोले गए हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, शुक्रवार को बारिश और तेज हो सकती है। मिदनापुर में चक्रवात 'अकवान' के कारण जिले के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

प्रधानमंत्री की कार्यशैली के पांच मंत्र उन्हें मजबूत बनाते हैं : नितिन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नबीन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लिखी एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कहा कि उनपर लिखी हर पुस्तक में उनकी कार्यशैली के पांच प्रमुख मंत्र स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। यह हैं- लीक से हटकर सोचने की क्षमता, अपनी सीमाओं को चुनौती देने का संकल्प, बुनियादी जरूरतों और प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करना, नए मानक स्थापित करना और सबसे महत्वपूर्ण देश के प्रत्येक नागरिक को साथ लेकर चलना। ये पांचों मंत्र उनकी कार्यशैली,नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण के प्रति दृष्टिकोण को रेखांकित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक सफर,उनकी कार्यशैली, फैसले लेने के तरीके और व्यक्तित्व के अनछुए पहलुओं को समझने के लिए वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ सिन्हा की



पुस्तक 'कुछ कही, कुछ अनकही' सामने आई है। तीन मूर्ति स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय सभागार में आयोजित एक विशेष समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने इस पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज भी मौजूद रहे। पुस्तक को प्रभात प्रकाशन की ओर से प्रकाशित किया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की कार्यशैली के गुणों के उदाहरण भी दिए। उन्होंने बताया कि यह पांचों गुण हमें जीएसटी और आयकर सुधार,प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), स्वच्छ भारत मिशन और आयुष्मान भारत योजना,भ्रष्टाचार और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति और विकसित भारत 2047 के सामूहिक संकल्प में दिखते हैं। पुस्तक के बारे में नबीन ने कहा कि पुस्तक का शीर्षक ही अपने आप में बहुत कुछ कहता है। कुछ बातें कही जाती हैं, जबकि कुछ अनकही रह जाती हैं। पुस्तक पढ़ने पर पाठकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के उन पहलुओं को समझने का अवसर मिलेगा,जो सामान्य तौर पर सामने नहीं आ पाते। उन्होंने कहा कि अमिताभ सिन्हा ने अपनी पत्रकारिता की यात्रा और प्रधानमंत्री के साथ अपने जुड़ाव को इस पुस्तक के माध्यम से साक्षी के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि अमिताभ सिन्हा के साथ साक्षात्कार देने का अवसर मिला है। उनके सवाल हमेशा साफ, सीधे और स्पष्ट होते थे। उनका व्यक्तित्व भी उनकी पत्रकारिता की तरह सहज और सरल है। नितिन नबीन ने कहा कि आज पत्रकारिता में सनसनी, नैरेटिव बनाने और ब्रेकिंग न्यूज की होड़ के बीच शांत और सरल तरीके से पत्रकारिता करने वाले लोग अपनी अलग पहचान बनाते हैं। प्रधानमंत्री की कार्यशैली का जिक्र करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी की हर विषय पर एक अलग दृष्टि है। वह छोटी से छोटी बात पर ध्यान देते हैं और जरूरत पड़ने पर मार्गदर्शन देने के साथ-साथ सुधार के सुझाव भी देते हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मंडी की दीवार खोदकर चुराई तीन क्विंटल लहसुन बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

दलौदा पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी की जब्त, छुट्टी के दिन वारदात को देते थे अंजाम



मंदसौर। कृषि उपज मंडी दलौदा की बाउंड्रीवॉल खोदकर लहसुन चोरी करने वाले दो आरोपियों को दलौदा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब तीन क्विंटल चोरी की लहसुन, जिसकी कीमत 40 हजार रुपए बताई गई है, बरामद की है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर संपत्ति संबंधी अपराधों में आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल एवं एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण गिरीश जेजुरकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रविन्द्र प्रताप डांगी ने टीम गठित कर कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, ग्राम एलची निवासी रविन्द्र पाटीदार की मंडी में बजरंग ट्रेडिंग नाम से दुकान है। उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 24 और 25 अक्टूबर 2026 की दरमियानी रात अज्ञात बदमाश मंडी की बाउंड्रीवॉल खोदकर उनकी दुकान से लहसुन के छह बॉक्स चोरी कर ले गए। व्यापारी हेमंत लालवानी की दुकान से भी लहसुन चोरी हुई थी। इसके बाद 17 नवंबर की रात भी मंडी की दीवार खोदकर चोरी का प्रयास किया गया। घटनाओं से नाराज मंडी व्यापारियों ने नीलामी रोककर विरोध भी जताया था। पुलिस टीम ने मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर नितेश पिता प्रभुलाल मीणा (30) और राकेश पिता कारूलाल सूर्यवंशी (24), दोनों निवासी ग्राम बाग्या थाना अफजलपुर, को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिन में मंडी में घूमकर चोरी के स्थान चिन्हित करते थे और छुट्टी वाली रात दीवार खोदकर वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों की निशानदेही पर अलग-अलग बॉक्स में रखी करीब तीन क्विंटल लहसुन और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई। इनकी रही सराहनीय भूमिका कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी, उपनिरीक्षक राधेश्याम पंवार, सहायक उपनिरीक्षक कैलाश बघेल, आरक्षक सुनील यादव सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सरकारी योजनाओं से आत्मनिर्भर बने उद्यमियों ने साझा की सफलता की कहानियां



ढाबला में उद्यम संवाद के दौरान कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने कहा- नए उद्योगों को प्रोत्साहित करें

मंदसौर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल ढाबला में उद्यम संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए उद्यमियों ने अपने उद्योग, व्यवसाय, अनुभव और उपलब्धियों की जानकारी साझा की। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बने हितग्राहियों ने अपनी सफलता की कहानियां भी बताईं। कार्यक्रम में कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने उद्यमियों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने व्यवसाय और उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें। उद्योग संचालन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर जिला प्रशासन को अवगत कराएं, ताकि उनका प्राथमिकता से निराकरण किया जा सके। उन्होंने नए उद्यमियों को भी उद्योग स्थापना के लिए प्रेरित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे जिले में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। उद्यम संवाद में आक्याबिका के बालमुकुंद पाटीदार ने ऑयल मिल, नागर पिपल्या के हरपाल सिंह ने ऑयल मिल, टिडवास के विजय शंकर ने संतरा एवं अमरूद, संजीत के अंकित सोनी ने संतरा उत्पादन, मनोहर सिंह ने जैविक खेती तथा दिनेश शर्मा ने बैग निर्माण से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं गोपाल को किसान क्रेडिट कार्ड के तहत 40 हजार रुपए तथा शिवनारायण को 15 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन, एसडीएम स्वाति तिवारी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

पूजन-अर्चन के साथ 64वें पशुपतिनाथ मेले और पाटोत्सव का आगाज



मंदसौर। भगवान पशुपतिनाथ महादेव की नगरी मंदसौर में 64वें राष्ट्रीय पशुपतिनाथ महादेव मेले एवं पाटोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। भगवान पशुपतिनाथ, 1008 संत प्रत्यक्षानंद जी महाराज एवं संत मस्तराम राम जी महाराज का पूजन कर मेले की शुरुआत की गई। शुभारंभ अवसर पर संत महेश चैतन्य महाराज, नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया, नपा उपाध्यक्ष नम्रता प्रीतेश चावला सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं कलेक्टर दिव्यांक सिंह, एसडीएम शुभम पाटीदार सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद थे।

मंदसौर विधानसभा की 13 ग्रामीण बस्तियों को मिलेंगी पक्की सड़कें, 8.74 करोड़ से होगा निर्माण



मंदसौर। विधानसभा क्षेत्र की 13 ग्रामीण बस्तियों और नई आबादियों को अब मुख्य मार्गों से जोड़ने की तैयारी है। इसके लिए 8 करोड़ 74 लाख रुपए की लागत से कुल 10.64 किलोमीटर लंबाई के 13 सड़क मार्गों का निर्माण प्रस्तावित है। विधायक विपिन जैन के प्रयासों से इन कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी लाभ मिलेगा। प्रस्तावित सड़क निर्माण में खिलचीपुरा, लालाखेड़ा, रीछालाल मुंहा, पलसोड़ा, पलासिया, सिंदपन, राजाखेड़ी, दमदम, आक्याफतू, मोहम्मदपुरा, ज्ञानपुरा, अजनोटी और लसुड़िया ईला क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों की नई आबादियों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के लिए अलग-अलग मार्गों का निर्माण किया जाएगा। नोबल पब्लिक स्कूल से जयपुरा मोहल्ला खिलचीपुरा तक 0.728 किलोमीटर, भावगढ़-सीतामऊ रोड से नई आबादी लालाखेड़ा तक 0.699 किलोमीटर, आक्या-नींबोद रोड से नई आबादी रीछालाल मुंहा तक 0.966 किलोमीटर, पीडब्ल्यूडी रोड रामदेव मंदिर से पलसोड़ा तक 0.882 किलोमीटर, प्रधानमंत्री सड़क से नई आबादी पलासिया तक 0.613 किलोमीटर, एसएच-14 से सिंदपन नई आबादी तक 1.076 किलोमीटर, भालोट-जवासिया रोड से राजाखेड़ी नई आबादी तक 0.608 किलोमीटर, प्रधानमंत्री सड़क से नई आबादी दमदम तक 0.550 किलोमीटर तथा प्रधानमंत्री सड़क से नई आबादी आक्याफतू तक 0.292 किलोमीटर सड़क का निर्माण प्रस्तावित है। इसी तरह प्रधानमंत्री सड़क से मोहम्मदपुरा वार्ड क्रमांक 8 तक 1.098 किलोमीटर, करनाखेड़ी-जवासिया रोड से ज्ञानपुरा तक 1.071 किलोमीटर, नांदवेल से कालबेलिया का डेरा होते हुए अजनोटी रोड तक 1.081 किलोमीटर और प्रधानमंत्री सड़क से नई आबादी जड़वासा रोड, लसुड़िया ईला तक 0.601 किलोमीटर सड़क बनाई जाएगी। विधायक विपिन जैन ने क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी है। इन 13 मार्गों का निर्माण पूरा होने पर संबंधित बस्तियों के रहवासियों को मुख्य मार्गों तक पहुंचने में सहूलियत मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा मजबूत होगी।

हरदा में रेम्प कार्यशाला का हुआ समापन, उद्यमियों को मिला डिजिटल बाजार का मंत्र



हरदा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) की रेम्प (राइजिंग एण्ड एक्सीलेटरिंग एमएसएमई परफारमेन्स) योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम, राज्य नोडल एजेंसी एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, हरदा के संयुक्त तत्वावधान में होटल सयाजी, हरदा में 18 व 19 नवंबर को दो दिवसीय कम्पोजिट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के द्वितीय दिवस जिले के उद्यमियों, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों एवं स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं को केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाओं, वित्तीय साक्षरता, व्यवसाय के औपचारिकीकरण, उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण तथा बाजार तक पहुंच बढ़ाने के संबंध में जानकारी एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल उपस्थित रहे। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री अभय जैन, उद्योग संघ हरदा के कोषाध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, हरदा व्यापारी संघ के अध्यक्ष श्री सरगम जैन, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक सुश्री नेहा चौहान, प्रबंधक श्री राधारमण जवरा एवं सहायक प्रबंधक श्रीमती ऋचा वक्रधर सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं उद्यमी उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ रेम्प कंसल्टेंट श्री रवीश कुमार द्वारा रेम्प योजना के उद्देश्यों, प्रमुख घटकों एवं इसके माध्यम से एमएसएमई इकाइयों को उपलब्ध कराए जा रहे सहयोग की विस्तृत जानकारी के साथ किया गया। इसके पश्चात डॉ. अजय कुमार चौबे द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) एवं महिला उद्यमिता पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने विशेष रूप से स्वसहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को नया उद्यम स्थापित करने, अपने उत्पादों की पहचान विकसित करने तथा उनके बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण के संबंध में जानकारी दी। इसी क्रम में श्री आनंद रैकवार द्वारा जेम पोर्टल एवं ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर पंजीयन, ऑनबोर्डिंग एवं संचालन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इन डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उद्यमी अपने उत्पादों एवं सेवाओं को व्यापक बाजार तक पहुंचाने के साथ-साथ सरकारी खरीद प्रक्रिया में भी भागीदारी कर सकते हैं। कार्यशाला में जेड, आईपीआर, भौगोलिक संकेतक (जीआई), जेम पोर्टल एवं ओएनडीसी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जानकारी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने विभाग द्वारा संचालित की जा रही स्वरोजगारमूलक योजना मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना एवं मध्यप्रदेश एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदत्त वित्तीय सहायताओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि श्री कमल पटेल ने अपने संबोधन में महिलाओं एवं युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया।

22 नवंबर को जिले के 1.57 लाख से अधिक

बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक, स्वास्थ्य विभाग ने की तैयारी पूरी



मंदसौर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार, 22 नवंबर को जिले में 0 से 5 वर्ष तक के 1,57,194 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला चिकित्सालय परिसर से विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. द्विवेदी और सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. रावत ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से निकली और नागरिकों को बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने का संदेश दिया। सीएमएचओ डॉ. द्विवेदी ने बताया कि अभियान के लिए जिले में 1,205 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इन पर 2,798 वैक्सीनेटर और 143 सुपरवाइजर तैनात रहेंगे। इसके अलावा 12 मोबाइल टीमें भी अभियान में जुटेंगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुरेश सोलंकी ने बताया कि जिले के पांचों विकासखंडों के सभी निर्धारित पोलियो बूथों तक दवा पहुंचा दी गई है तथा वैक्सीनेटरों की ड्यूटी भी निर्धारित कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि रविवार को अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा से वंचित न रहे। रैली एवं शुभारंभ कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. नकुम, शहरी नोडल अधिकारी डॉ. अर्पित यति, जिला कार्यक्रम प्रबंधक निलेश गर्ग, डॉ. एम.एल. कश्यप, जिला मीडिया अधिकारी मनीष शर्मा, प्रचार सहायक जगदीश खींची और कमलेश दंडोतिया सहित आशा कार्यकर्ता, शासकीय नर्सिंग कॉलेज के ट्यूटर एवं विद्यार्थी तथा मिरेकल नर्सिंग कॉलेज के स्टाफ और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शीत लहर से बचाव को लेकर एडवॉयजरी जारी

सीहोर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने शीतघात व शीत लहर को लेकर पर्याप्त सावधानी बरतने की आम नागरिकों से अपील की, उन्होने बताया कि शीत ऋतु में वातावरण का तापमान अत्यधिक कम होने पर शीत लहर का चलना प्रारंभ हो जाता है! जिसके कारण मानव स्वास्थ्य पर अनेक विपरित प्रभाव जैसे सर्दी जुकाम, बुखार, निमोनिया, त्वचा रोग, फेफड़ों में संक्रमण, हाईपोथर्मिया, अस्थमा, एलर्जी होने की आशंका बनी रहती है। प्रभावी शीत लहर से बचने के लिए गर्म एवं ऐसे कपड़े जिनमें कपड़ों की कई परतें होती है वह शीत लहर से बचाव के लिए अत्यधिक प्रभावी होते है। रजाई, कंबल, स्वेटर, गर्म कपडों का उपयोग किया जाना चाहिए एवं मफलर, आवरण युक्त जलरोधी जूतों का उपयोग किया जाना चाहिए।

पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थ तस्कर चन्द्रप्रकाश गिरफ्तार

मंदसौर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ मंदसौर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए आदतन तस्कर चन्द्रप्रकाश पिता कालुराम पाटीदार (42), निवासी ग्राम गोगरपुरा, थाना पिपलियामंडी को पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। निरोधात्मक आदेश के पालन में आरोपी को 20 नवंबर को गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल इंदौर भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई का पर्यवेक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल ने किया। मल्हारगढ़ एसडीओपी पिन्टु कुमार बघेल के मार्गदर्शन में पिपलियामंडी थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह इवने ने आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी की। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी के दो मामले दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2022 में राजस्थान के छोटी सादड़ी थाने में अपराध क्रमांक 175/2022 तथा वर्ष 2025 में मल्हारगढ़ थाने में अपराध क्रमांक 218/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 में प्रकरण दर्ज किया गया था। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और गतिविधियों के आधार पर पीआईटी एनडीपीएस एक्ट 1988 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई का प्रतिवेदन तैयार कर जिला दंडाधिकारी मंदसौर के माध्यम से उज्जैन आयुक्त को भेजा गया था। इसके बाद अधिनियम की धारा 3(1) के तहत निरोधात्मक आदेश जारी किया गया, जिसके पालन में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

विधिक जागरूकता के संदेश के साथ निकली बाइक रैली, न्यायोत्सव सप्ताह का समापन

प्रदर्शनी में दिखाई विधिक जागरूकता की झलक, प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित



मंदसौर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह 2026 का शुक्रवार को विधिक जागरूकता प्रदर्शनी, बाइक रैली और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। 14 से 20 नवंबर तक चले इस सप्ताह के दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से आमजन, विद्यार्थियों एवं युवाओं को उनके कानूनी अधिकारों और विधिक सेवाओं की जानकारी दी गई। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अनीष कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित अंतिम दिवस के कार्यक्रमों की शुरुआत विधिक जागरूकता प्रदर्शनी से हुई। इसका शुभारंभ अनीष कुमार मिश्रा एवं जिला मुख्यालय पर पदस्थ न्यायिक अधिकारियों ने किया। प्रदर्शनी में विधिक जागरूकता से जुड़े पोस्टर तथा चित्रकला प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। इनके माध्यम से विभिन्न कानूनी प्रावधानों, निःशुल्क विधिक सहायता और नालसा की योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके बाद विधिक सेवाओं का संदेश आमजन तक पहुंचाने के लिए बाइक रैली निकाली गई। इसमें अनीष कुमार मिश्रा, पुलिस अधिकारी, जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष रघुवीर सिंह पवार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिद्धार्थ तिवारी, पैरालीगल वॉलंटियर्स, मंदसौर विश्वविद्यालय एवं जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी तथा न्यायिक कर्मचारी शामिल हुए। रैली के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क कानूनी सहायता लेने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। शाम को आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता अनीष कुमार मिश्रा ने की। विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी, जिला न्यायाधीश मंजू सिंह, अभिभाषक संघ अध्यक्ष रघुवीर सिंह पवार सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में सप्ताह के दौरान आयोजित चित्रकला, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण और मैराथन दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार, शील्ड एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों को भी सहभागिता प्रमाण-पत्र दिए गए।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, शनिवार 21 नवम्बर 2026

प्रधानमंत्री मोदी ने दी पंकज चौधरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने ईश्वर से उनके सुखी और समृद्ध जीवन की कामना की। केंद्रीय राज्य मंत्री ने भी प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंकज चौधरी को जन्मदिन की बधाई देते हुए पत्र में लिखा, आगामी 20 नवंबर को आपके जन्मदिवस के पावन अवसर की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

गिरौदपुरी के ग्राम सुकली में महिला और दो बच्चों की संदिग्ध मौत

बलौदाबाजार। आज प्रातः 4 बजे ग्राम सुकली में दो बच्चों सहित महिला के मृत्यु होने की सूचना पर चौकी गिरौदपुरी का पुलिस बल तत्काल घटनास्थल ग्राम सुकली पहुंचा, जिसमें मृतिका युक्ति मानिकपुरी पति संजय मानिकपुरी उम्र 28 साल,उसके दो बच्चे, चिरंजीव मानिकपुरी उम्र 10 साल एवं दिव्यांश मानिकपुरी उम्र करीब 5 साल का शव घटनास्थल मृतिका के घर कमरे में ही पड़ा मिला।

जेल से बाहर आने के बाद आजम खान के चुनाव लड़ने की चर्चा शुरू

आजम की सियासी विरासत-अदालती फैसलों से तजीन फातिमा का नाम आगे



लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान जेल से बाहर आ चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अंतरिम जमानत पर मुहर लगा दी है। लेकिन सवाल अभी भी बरकरार है कि क्या आजम और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम आगामी चुनाव लड़ सकते हैं? उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, आजम के परिवार से उनकी सियासी विरासत कौन संभालेगा, यह महत्वपूर्ण प्रश्न बना हुआ है। हाल के अदालती फैसलों से संकेत मिलते हैं कि आजम की पत्नी तजीन फातिमा इस दौड़ में सबसे आगे हैं। तजीन का नाम आगे होने की कई वजहें हैं। एक उनके पास पुराना और प्रभावी सियासी अनुभव है। वे पहले भी विधायक रह चुकी हैं और 2019 के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को हराकर जीत दर्ज कर चुकी हैं। दूसरी ओर, आजम के बड़े बेटे अदीब और उनकी मुंहबोली बेटी एकता कौशिक ने अभी तक सक्रिय सियासत में कदम नहीं रखा है और निकट भविष्य में इसकी संभावना भी कम दिखती है। आजम को विभिन्न मामलों में मिली सजाएं उनकी चुनावी राह में बड़ी बाधा बनी हुई हैं। छजलैट और शहजादनगर में भड़काऊ भाषण के मामलों में उन्हें दो-दो साल की कैद हुई है, जबकि डूंगरपुर और पैन कार्ड जैसे कई अन्य मामलों में भी उन्हें लंबी सजाएं सुनाई गई हैं। हालांकि, एक जन्म प्रमाणपत्र मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगाई है, लेकिन अन्य मामले उनकी पात्रता पर प्रश्नचिह्न लगाए हुए हैं। अब्दुल्ला की चुनावी राह भी कानूनी अड़चनों से भरी है। छजलैट मामले में दो साल की कैद के चलते उनकी विधायकी जा चुकी है। दो पैन कार्ड मामले में हाईकोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगाई, लेकिन दोषसिद्धि पर नहीं, जिससे उनकी चुनावी पात्रता पर कानूनी पेंच अभी बरकरार है। इसके विपरीत,आजम खान की पत्नी डॉ. फातिमा के लिए चुनावी राजनीति में वापसी की संभावनाएं बढ़ गई हैं। दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगा दी है, जो उनके चुनाव लड़ने का रास्ता साफ करती है। इसके बाद यदि आजम और अब्दुल्ला आजम कानूनी चुनौतियों के कारण चुनाव लड़ने से वंचित रहते हैं, तब तजीन फातिमा की भूमिका रामपुर की सियासत में अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है, और वहीं परिवार की राजनीतिक विरासत की कमान संभाल सकती हैं।

दिल्ली भारत मंडपम में आज जुटेंगे देशभर के उद्यमी और नीति निर्माता

कार्यक्रम में फूड एंड एग्रो सेक्टर को दोगुना करने पर होगा विचार विमर्श



नई दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 21 नवंबर को लघु उद्योग भारती की ओर से नेशनल कॉन्क्लेव भारत फूड एंड एग्रो 2047 का आयोजन किया जाएगा। इसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम (एमएसएमई) उद्यमी, नीति निर्माता और विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे। दिल्ली स्थित लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव ओमप्रकाश गुप्ता और फूड एंड एग्रो उत्पाद समूह के राष्ट्रीय सह-समन्वयक आशीष देवड़ा ने यह जानकारी दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने और देश के खाद्य एवं कृषि क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाना है। आशीष देवड़ा ने बताया कि देश में हर साल लगभग 90 हजार करोड़ रुपये की कृषि पैदावार (विशेषकर फल और सब्जियां) समय पर प्रोसेसिंग,वेयरहाउसिंग और कोल्ड चेन न मिलने के कारण खराब हो जाती है। उन्होंने कहा,यदि हम इस बर्बादी का केवल 10 प्रतिशत भी बचा लें, तो किसानों और प्रोसेसर्स को सीधे 9 से 10 हजार करोड़ रुपये का लाभ होगा। देवड़ा ने कहा कि वर्तमान में भारत का फूड एंड एग्रो निर्यात करीब 51 अरब डॉलर है, जिसे 2030-31 तक दोगुना कर 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारत को अब केवल कच्चा माल बेचने के बजाय वॉल्यूम से वैल्यू एडिशन की ओर बढ़ना होगा। वहीं, 21 नवम्बर को होने वाले इस कॉन्क्लेव को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ सिंह चौधरी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव अविनाश जोशी (आईएएस) संबोधित करेंगे। इस दौरान मॉडर्न ट्रेड एंड क्रिक कॉमर्स,फ्यूचर ऑफ फूड,आर्गेनिक फार्मिंग,एमएसएमई ग्रोथ में एआई की भूमिका,एग्री वेयरहाउसिंग और एक्सपोर्ट एंड ग्लोबल रीच जैसे विषयों पर विशेष तकनीकी सत्र होंगे। इन सत्रों में एपिडा के अध्यक्ष अभिषेक देव (आईएएस), एफएसएसएआई के सलाहकार सत्येन कुमार पांडा,जॉइंट डीजीएफटी रमेश वर्मा, सीएफटीआरआई मैसूर के डॉ.सुहास आर.,हल्दीराम के कार्यकारी निदेशक डॉ.अशोक त्यागी, निफ्टेम के डॉ.विमल पंत और एग्री बाजार के अतुल चूरा सहित कई उद्योगपति एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय है कि 1994 से कार्यरत लघु उद्योग भारती आज 27 राज्यों और 600 जिलों में 70 हजार सदस्यों (जिनमें 6 हजार महिला उद्यमी शामिल हैं) के साथ देश का सबसे बड़ा एमएसएमई संगठन है। उन्होंने संगठन की प्रमुख पहलों का जिक्र करते हुए बताया कि सीएसआईआर के साथ 100 दिनों में 100 टेक्नोलॉजी% का रिकॉर्ड बनाया गया और 6 हजार तकनीकों का बैंक तैयार किया गया है, जिसे 10 हजार तक बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा 16 राज्यों के 47 केंद्रों और 183 आईटीआई के साथ मिलकर कौशल विकास पर काम चल रहा है।

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है,पंखों से कुछ नहीं होता...

डीआइजी ने होमगार्ड अधिकारियों की बैठक में जवानों और अधिकारियों का बढ़ाया हौसला



मुरादाबाद। सर्किट हाउस में डीआइजी संजीव शुक्ला ने होमगार्ड अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में जवानों और अधिकारियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। बैठक में डीआइजी ने केवल विभागीय आंकड़ों और कागजी व्यवस्थाओं की जानकारी नहीं ली,बल्कि जवानों की तैनाती से लेकर उनकी ड्यूटी, वर्दी और अनुशासन तक पर सवाल किए। डीआईजी ने अधिकारियों से पूछा कि जवानों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने के लिए क्या व्यवस्था है? कानून व्यवस्था बनाए रखने में होमगार्ड की भूमिका अहम है। ऐसे में ड्यूटी के दौरान लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। चौराहों पर तैनात जवान समय के पाबंद रहें और अच्छी वर्दी पहनकर पूरी मुस्तैदी से जिम्मेदारी निभाएं। डीआइजी ने संभल के कर्मचारी जहीरुद्दीन को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया। जिला कमांडेंट मुरादाबाद को भी प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि किसी के काम को कोई देख नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग का नेटवर्क बहुत बड़ा है। हर स्तर पर काम दिखाई देता है। इसलिए किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। मेहनत और ईमानदारी से काम करते रहें। रास्ते में दिक्कतें आएं तो उनसे लड़ना भी सीखें। बैठक में मंडलीय कमांडेंट सुधाकराचार्य पांडेय, जिला कमांडेंट मुरादाबाद अभिलेष कुमार सिंह, रामपुर के कमांडेंट कमलेश चौहान, संभल के कमांडेंट विजय कुमार सिंह, बिजनौर के कमांडेंट वेदप्रकाश चपराना सहित कंपनी कमांडर और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीआइजी शुक्ला ने कहा कि करीब 15 वर्ष बाद होमगार्ड विभाग में 40 हजार नए स्वयंसेवकों की भर्ती होने जा रही है। इससे विभाग की ताकत बढ़ेगी। चयन प्रक्रिया में योग्य लोगों को अवसर मिला है। प्रदेश में 60 फीसदी से ज्यादा कार्यालय बनाए जा चुके हैं। बाकी कार्यालय भी जल्द स्थापित किए जाएंगे। हरिद्वार में होने वाले मेले और विधानसभा चुनाव की तैयारियों को देखते हुए अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

संघ निस्वार्थ और समर्पण भाव से राष्ट्र की सेवा कर रहा है : हरिभाऊ बागड़े

भारत गौरव कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर चुनौतियां और संघ पुस्तक का विमोचन



नई दिल्ली । चाणक्य वार्ता प्रकाशन समूह के 10 वर्ष पूर्ण होने पर भारत गौरव उत्सव 2026 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष की थीम पर आयोजित दूसरे दिन का भव्य विमोचन कार्यक्रम गुरुवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के स्पीकर हॉल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े के मुख्य आतिथ्य एवं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम और राष्ट्रगान जन-गण-मन से हुआ। दीप प्रज्वलन के पश्चात आयोजक एवं चाणक्य वार्ता के संपादक डॉ.अमित जैन ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और श्रोताओं का आत्मीय अभिनंदन किया। उन्होंने चाणक्य वार्ता प्रकाशन समूह की 10 वर्षों की वैचारिक और प्रकाशन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 2016 से 2025 तक समूह ने राष्ट्र,समाज, संस्कृति और विचार आधारित साहित्य के माध्यम से अपनी एक अलग पहचान बनाई है और भविष्य में भी यह प्रतिबद्धता जारी रहेगी। संघ शताब्दी पुस्तक श्रृंखला के अंतर्गत प्रकाशित पुस्तक जम्मू-कश्मीर चुनौतियां और संघ का विमोचन मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के करकमलों द्वारा किया गया। यह पुस्तक वरिष्ठ पत्रकार रमेश गुप्ता द्वारा लिखित और धीरेन्द्र मिश्रा द्वारा संपादित है। विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि आज एक बहुत अच्छी और सामयिक पुस्तक का विमोचन हुआ है। उन्होंने कहा कि 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना मातृभूमि की सेवा के संकल्प के साथ हुई थी। तभी से संघ निस्वार्थ और समर्पण भाव से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है। राष्ट्र और समाज के उत्थान में संघ का बहुत बड़ा योगदान है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। राज्यपाल ने अपने संबोधन में संघ के कार्यों से जुड़े कई प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने भागीदारी की।



लोक संस्कृति का महाकुंभ लोकमंथन जयपुर में 4 से 6 दिसंबर तक



24 समानांतर सत्रों में होगा लोकविमर्श,रोमा-यजीदी समुदायों प्रतिनिधि होंगे शामिल

जयपुर। लोकमंथन का पांचवां संस्करण 4, 5 और 6 दिसंबर को जयपुर के जवाहर कला केंद्र में होगा। इसके माध्यम से प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और पारंपरिक ज्ञान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से भी प्रतिनिधि शामिल होंगे। 'हम भारत के लोग' थीम पर आधारित लोकमंथन का उद्देश्य नई पीढ़ी को सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना और भारतीय विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संयोजक एवं लोकमंथन स्वागत समिति के महासचिव जे. नंदकुमार और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री एवं लोकमंथन आयोजन समिति की अध्यक्ष दिया कुमारी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, अयोध्या स्थित श्रीहनुमत निवास के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वक्ताओं में जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष हर्ष चौहान और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत समेत कई प्रख्यात व्यक्तित्व शामिल होंगे। कार्यक्रम में देश भर से दो हज़ार से अधिक चयनित प्रतिभागी और प्रतिनिधि शामिल होंगे। जे. नंदकुमार ने बताया कि लोकमंथन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि लोकजीवन, लोकचेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा को राष्ट्रीय विमर्श में उचित स्थान दिलाने का व्यापक प्रयास है। इसका मूल उद्देश्य लोक और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद का सेतु बनाना तथा लोक के अनुभव, ज्ञान और परंपराओं को आधुनिक अकादमिक एवं बौद्धिक विमर्श से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि लोक का अर्थ केवल ग्रामीण या जनजातीय समाज नहीं, बल्कि भारत की मौलिक संस्कृति है, जो देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में भोपाल से शुरू हुई लोकमंथन की यात्रा रांची, गुवाहाटी और भाग्यनगर (हैदराबाद) होते हुए अब जयपुर पहुंची है। पिछले चार आयोजनों से लोक संस्कृति, लोक कलाकारों और पारंपरिक ज्ञान को राष्ट्रीय विमर्श में अधिक स्थान मिला है तथा हाशिये पर रही परंपराएं व्यापक समाज के सामने आई हैं।

परगट सिंह के घर पहुंचे डेरा ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों

जालंधर। राधा स्वामी सत्संग डेरा ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों शुक्रवार को जालंधर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह के आवास पर मुलाकात की। इसके बाद वह भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील रिंकू के घर पहुंचे। बाबा जी के पहले कांग्रेस नेता परगट सिंह और उसके बाद भाजपा नेता सुशील रिंकू के आवास पर पहुंचने को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि, इन मुलाकातों के संबंध में किसी राजनीतिक एजेंडे या विशेष चर्चा की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले आम आदमी पार्टी के जालंधर सेंट्रल से उम्मीदवार नितिन कोहली और जालंधर नॉर्थ के उम्मीदवार एवं मेयर वनीत धीर ने भी बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया था। लगातार विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बाबा जी से हो रही मुलाकातों को शहर के राजनीतिक गलियारों में खास तौर पर देखा जा रहा है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 21 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

चुनाव डंडा ना बने

बेशक, लोकतंत्र में चुनाव जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सर्व-प्रमुख माध्यम होते हैं, लेकिन संवाद और सहमति भी लोकतंत्र के उतने ही बड़े स्तंभ हैं। इन्हें एक दूसरे से अलग कर देखना समस्याग्रस्त नजरिया है। लद्दाख में स्थानीय निकायों के चुनाव की घोषणा ने नया राजनीतिक तनाव खड़ा कर रखा है। सरकार ने तीन-स्तरीय चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया है, लेकिन लद्दाख के प्रमुख राजनीतिक संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) जैसे संगठनों ने चुनाव स्थगित करने की मांग की है। लेकिन उनसे सहमति बनाने के प्रयास के बजाय सरकार ने सख्ती का रास्ता चुना है। लद्दाख प्रशासन ने चुनाव अवधि के दौरान लेह और कारगिल में रैलियों, धरनों, प्रदर्शनों और अन्य सार्वजनिक जमावड़ों पर पाबंदियां लगा दी हैं। लद्दाख में सिविल सोसायटी के प्रमुख नेता सोनम वांगचुक ने आरोप लगाया है कि उन्हें हाउस अरेस्ट जैसी स्थिति में रखा गया है। वांगचुक, एलएबी और केडीए की मांग है कि चुनाव के पहले लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत संरक्षण, पूर्ण राज्य का दर्जा, विधानसभा के गठन, और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं भूमि संबंधी अधिकारों की गारंटी दी जाए। इन मुद्दों पर इन संगठनों की केंद्र के साथ बातचीत चलती रही है, जो किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। केंद्र ने इनसे बातचीत की, तो उससे जाहिर है कि उसने इन संगठनों को लद्दाखी जनमत के एक वैध प्रतिनिधि के रूप में स्वीकार किया है। ऐसे में अधूरी बातचीत के बीच चुनाव कराने का क्या तर्क है, इसे समझना कठिन है। बेशक, लोकतंत्र में चुनाव जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सर्व-प्रमुख माध्यम होते हैं, लेकिन संवाद और सहमति भी लोकतंत्र के उतने ही बड़े स्तंभ हैं। इन्हें एक दूसरे से अलग कर देखना समस्याग्रस्त नजरिया है। अत: सरकार को समझना चाहिए कि जनमत के एक बड़े हिस्से को नजरअंदाज कर चुनाव थोपना इस महत्त्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया को डंडा बना देना है। अतीत में भी कुछ राज्यों में तत्कालीन सरकारों ने ऐसा नजरिया अपनाया था, लेकिन उसके नतीजे अच्छे नहीं रहे। लद्दाख में चुनावों की घोषणा के बीच यह खबर भी सामने आई है कि स्थानीय स्तर पर दर्जनों प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। जब कभी ऐसा बड़े पैमाने पर ऐसा होता है, तब चुनाव से उभरने वाले जनादेश पर वाजिब सवाल खड़े होते हैं।

हमारे सांस्कृतिक परंपरा में आतिशबाजी नहीं

विनीत नारायण



तेल या घी के दीपक जलाना, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से यज्ञ करना इस बार दीपावली पर दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में हवा एक बार फिर हद से ज़्यादा जहरीली हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक दीपावली के दिन दिल्ली का औसत ₹376 रहा, जो पिछले कई वर्षों में सबसे खराब स्तरों में से एक था। कई स्टेशनों पर यह 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया और रात के समय कुछ इलाकों में ₹2.5 का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा से कई गुना ऊपर चला गया। 'भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान' के आंकड़ों के अनुसार दीपावली की रात के बाद सुबह के समय दिल्ली की ₹2.5 प्रदूषण में पटाखों का योगदान 71 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह कोई नया संकट नहीं है, लेकिन हर साल इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। इसी माहौल में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक कार्यक्रम में कहा कि, लोग कह रहे हैं कि दीपावली पर प्रदूषण हो गया, तो क्या हुआ? अगर प्रदूषण बढ़ा भी है तो कम भी हो जाएगा। इसलिए उनकी सरकार ने पटाखों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया और उन्होंने खुद अयोध्या में आतिशबाजी में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि, भ्रष्टाचार से पूरे सिस्टम को प्रदूषित करने वालों पर कोई नहीं बोलता, लेकिन वर्ष में एक दिन पटाखे फोड़ने पर प्रदूषण की बात शुरू हो जाती है। यह बयान कई मायनों में चिंताजनक है। प्रदूषण 'एक दिन का मामला' नहीं है। इसकी परतें शरीर में जमा होती हैं। बच्चों के फेफड़ों, बुजुर्गों की सांस और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर इसका गंभीर असर लंबे समय तक रहता है। जो धुआं आज उठता है, वह कल कम हो सकता है, लेकिन जो नुकसान हो चुका होता है, वह आसानी से वापस नहीं आता। दिल्ली-एनसीआर में हर साल दीपावली के बाद अस्पतालों में सांस की बीमारियों के मामले तेज़ी से बढ़ जाते हैं। यह कोई राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि साल दर साल दोहराए जाने वाले तथ्य हैं। सनातन परंपरा में दीपावली का अर्थ अंधकार पर प्रकाश की विजय है, न कि धुएं और शोर से आकाश को भर देना। सनातन धर्म के शब्दकोश में 'आतिशबाजी' जैसा कोई शब्द ही नहीं है। यह परंपरा मध्ययुग में पश्चिम एशिया से आई। हमारे पुराने ग्रंथों, रामायण या पुराणों में दीपावली को दीपों, यज्ञ, तोरण, रंगोली और सामूहिक उत्सव से जोड़ा गया है। तेल या घी के दीपक जलाना, आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से यज्ञ करना, आम के पत्तों का तोरण बांधना, मिट्टी के दीये और खिलौने रखना, ये सब परंपराएं पर्यावरण को शुद्ध करने वाली थीं, उसे दूषित करने वाली नहीं। वैदिक साहित्य के विश्व में सर्वाधिक ज्ञानी पुरी पीठाधीश्वर श्रद्धेय श्री स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी का इस विषय में कहना है, ये सब जो शास्त्र सम्मत त्योहार, पर्व, उत्सव हैं, इनमें जो विकृतियां आ गई हैं। पृथ्वी, जल, तेज, वायु, ऊर्जा के आस्तिक-नास्तिक, वैदिक-अवैदिक, उभयसम्मत स्रोत हैं। उनको उदीप्त करने वाला पर्व दीपोत्सव है। लेकिन पटाखों और आतिशबाजी के माध्यम से वातावरण को कलुषित करने का प्रकल्प चला है। तो पवित्र त्योहार को भी एक कलुषित मनोविनोद का रूप दे दिया गया है। ये अंधपरंपरा धीरे-धीरे आस्तिकता का रूप धारण कर रही है। आज बाजार के प्रभाव में हमने त्योहारों को आक्रामक और दिखावटी बना दिया है। पटाखे जलाना अब खुशी का प्रतीक कम, आर्थिक सामर्थ्य का प्रदर्शन ज्यादा हो गया है। बच्चे रात भर शोर से सो नहीं पाते, जानवर परेशान होते हैं, और बुजुर्ग सांस लेने में कठिनाई महसूस करते हैं। मथुरा-वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों में भी यह दृश्य आम हो चुका है। कुछ साल पहले जब दिल्ली की जहरीली हवा से बचने के लिए हमारा परिवार वृंदावन गया था, तो वहां रात दो बजे तक पटाखों का शोर सुनाई दिया। गायें बेचैन थीं और बच्चे सो नहीं पाए। जागरूकता और प्रशासनिक सख्ती जहां होती है, वहां असर दिखता है; जहां नहीं होती, वहां त्योहार प्रदूषण का माध्यम बन जाता है। मुख्यमंत्री का यह कहना कि प्रदूषण कम हो जाएगा, तकनीकी रूप से सही हो सकता है, लेकिन यह सवाल का जवाब नहीं है। दुनियाँ के सौ सबसे प्रदूषित शहरों में निन्यानवे भारत में हैं। ये शर्म की बात है। सवाल यह है कि हम जानबूझकर प्रदूषण क्यों बढ़ाएं? जब दिल्ली-एनसीआर पहले से ही 'बहुत खराब' हवा में सांस ले रहा हो, तब अतिरिक्त प्रदूषण का भार क्यों डालें? 'ग्रीन पटाखे' का तर्क भी अधूरा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि ये सामान्य पटाखों की तुलना में थोड़े कम प्रदूषण फैलाते हैं, लेकिन भारी मात्रा में जलाने पर कुल प्रदूषण कम नहीं होता। और व्यवहार में देखा गया है कि प्रतिबंधित पटाखे भी आसानी से बिक जाते हैं। सनातन धर्म का मूल स्वभाव संयम और प्रकृति के साथ सामंजस्य का है। त्योहार आनंद और पर्यावरण की शुद्धि के लिए थे। आज जब हम मिट्टी के दीयों को छोड़कर प्लास्टिक और चीनी सामान की ओर बढ़ रहे हैं, तो कुम्हारों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। अगर हम दीपावली को केवल दीपों, सामूहिक प्रार्थना, परिवार के साथ मंगल गीत और बच्चों द्वारा लीलाओं के मंचन से मनाएं, तो उत्सव का आनंद बना रहेगा और नुकसान कम होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी यह परंपरा कुछ हद तक जीवित है। शहरी युवाओं को इसे अपनाने की जरूरत है। राजनीतिक स्तर पर भी संतुलित दृष्टि की जरूरत है। भ्रष्टाचार सिस्टम को प्रदूषित करता है, यह सही है। लेकिन एक गलत का जवाब दूसरा गलत नहीं हो सकता। जब सरकार खुद कहे कि पटाखों पर कोई रोक नहीं, तो जनता को संदेश मिलता है कि प्रदूषण की चिंता गौण है। अयोध्या जैसे पवित्र स्थल पर आतिशबाजी का आयोजन धार्मिक उत्साह बढ़ा सकता है, लेकिन यह संदेश भी जाना चाहिए कि सच्ची भक्ति में पर्यावरण की रक्षा भी शामिल है। भगवान राम ने जंगल में रहकर भी प्रकृति का सम्मान किया। दीपावली उनके अयोध्या लौटने का उत्सव है, न कि धुएं से आकाश को ढकने का। आने वाली पीढ़ियों को अगर हम अपनी संस्कृति का गर्व कराना चाहते हैं, तो उन्हें साफ हवा में सांस लेने का हक भी देना होगा। तनाव, बीमारी और पर्यावरणीय क्षति आधुनिक जीवन के 'प्रसाद' बन चुके हैं।

राशिफल



मेष : कारोबार में सफलता मिलेगी और कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत होगी। सेहत पहले से अच्छी रहेगी। प्रेम और संतान का पक्ष मजबूत है, व्यापार भी बढ़िया चलेगा।

वृषभ : भाग्य साथ देगा और यात्रा का योग है। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। प्रेम और संतान की स्थिति अच्छी रहेगी और व्यापार भी ठीक चलेगा।

मिथुन: चोट लगने या किसी परेशानी में फँसने की आशंका है। हालात अनुकूल नहीं हैं, इसलिए सावधानी से दिन बिताएँ। प्रेम और संतान का साथ बना रहेगा।

कर्क : जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और उनके साथ अच्छा समय बीतेगा। सेहत, प्रेम और व्यापार, तीनों की स्थिति बहुत अच्छी है।

सिंह : शत्रुओं पर आपका दबदबा रहेगा। सेहत पहले से बेहतर होगी, प्रेम और संतान का साथ मिलेगा और व्यापार में तरक्की होगी। बस छोटी-मोटी शारीरिक तकलीफें बनी रह सकती हैं।

कन्या : प्रेम संबंधों में अपनापन बढ़ेगा, पर भावनाओं पर थोड़ा काबू रखना होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है और कारोबारी स्थिति भी ठीक रहेगी। कोई शुभ संकेत भी मिल रहा है।

तुला : घर या आसपास कलह के हालात बन सकते हैं, लेकिन भूमि, भवन या वाहन की खरीदारी का योग भी है। प्रेम और संतान की स्थिति मध्यम रहेगी।

वृश्चिक : आपका पराक्रम रंग लाएगा और रोजगार में तरक्की मिलेगी। सेहत अच्छी रहेगी, प्रेम और संतान की स्थिति बेहतर होगी और व्यापार भी अच्छा चलेगा।

धनु : आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रेम और संतान का साथ मिलेगा और कारोबार भी ठीक रहेगा। फिलहाल निवेश करने से बचें।

मकर : स्वभाव में सौम्यता और व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ेगा। जरूरत की चीजें समय पर उपलब्ध रहेंगी। प्रेम और संतान का साथ बना रहेगा और व्यापार भी अच्छा रहेगा। उपाय: शनिदेव को प्रणाम करें।

कुंभ : बढ़ते खर्च से मन परेशान रहेगा और चिंता बनी रह सकती है। फिर भी प्रेम, संतान और व्यापार की स्थिति अच्छी रहेगी।

मीन : आय के नए साधन मजबूत होंगे और पुरानी आर्थिक स्थिति भी सुधरेगी। यात्रा का योग है और कोई शुभ समाचार मिल सकता है। प्रेम और संतान का साथ बना रहेगा।

सोनिया ने प्रेम लिखा, हमने राजनीति पढ़ी!

श्रुति व्यास



सोनिया गांधी ने 'बिलॉन्गिंग' में भारत से अपने जुड़ाव की कहानी लिखी है। राजीव के संग धड़के अपने दिल को याद किया है। फिर उस प्रेम के सहारे एक अनजान देश में आने, उसमें रचने-बसने, उसके सुख-दुख को अपनी साँसों में उतारने की कहानी कही है। मगर जिस स्त्री ने इतने वर्षों बाद अपने प्रेम, संकोच, उलझनों, दुख और स्मृतियों को शब्द दिए, उसकी अपनी कहानी पीछे छूट गई है। और लोग अपने-अपने आग्रह-पूर्वाग्रह से राय बना रहे हैं। बाल की खाल निकाल रहे हैं। किताब अभी आई ही है कि हिसाब लग रहा है। इससे किसे फायदा होगा, किसे नुकसान? किस प्रसंग से कांग्रेस को लाभ मिलेगा, किस खुलासे से भाजपा को हमला करने का मौका मिलेगा? किस स्मृति से राहुल गांधी की छवि बनेगी और किस चुप्पी से सोनिया गांधी को कठघरे में खड़ा किया जा सकेगा? किताब के पन्ने खुले नहीं कि दशकों पुरानी स्मृतियाँ ब्रेकिंग न्यूज बन गईं। पुस्तक के अंशों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर घूम रही हैं। भौकाल है, बिक्री है, राजनीतिक शोर है। बस उस स्त्री की कहानी सुनने, उसे महसूस करने की फुरसत नहीं है, जिसने इतने वर्षों बाद अपनी कहानी खुद कही है। दरअसल, भारत कभी तय नहीं कर पाया कि सोनिया गांधी को क्या माने। उन्हें अपनाया भी, उन पर संदेह भी किया। उन्हें सत्ता के शिखर तक पहुँचाया, तो बदनाम करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। दशकों से यह बहस चलती रही कि वे सचमुच भारत की अपनी हैं भी या नहीं। इसमें एक विचित्र विडंबना है। जिस देश में विवाह के बाद स्त्री को पति के परिवार का हिस्सा मान लिया जाता है, उसी देश में सोनिया गांधी का उस परिवार और देश से जुड़ाव हमेशा सवालों के घेरे में रहा। हालाँकि किसी दूसरी संस्कृति, दूसरे परिवेश में विवाह करके जाने वाली स्त्री जानती है कि नए संसार का अपना होना इतना आसान नहीं होता। उसमें समय लगता है। स्नेह और सामंजस्य से, उन रीति-रिवाजों को अपनाने से, जिन्हें कोई समझाता नहीं, और उन अपेक्षाओं को पूरा करने से, जिन्हें कोई खुलकर बताता नहीं। कभी-कभी किसी अपने को खोने के बाद ही उस संसार से रिश्ता गहरा होता है। इसीलिए मैंने सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' उनकी राजनीति को समझने के लिए नहीं उठाई। उस बारे में तो वर्षों से पढ़ती आई हूँ। किताब उठाने का कारण उसके मुखपृष्ठ पर छपी एक युवती की आँखें थीं। कुछ खोजती हुईं, कुछ सोचती हुईं आँखें। मैं जानना चाहती थी कि कभी वह दुनिया उन्हें कैसी दिखाई देती थी। जब वे प्रेम में थीं और नहीं जानती थीं कि आगे क्या होने वाला है। इतने वर्षों बाद आखिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने अपने मन की बातें कहने का फैसला किया? अपनी उलझनों, संकोचों, इच्छाओं और दुखों को, भले कुछ ही सही, दूसरों के सामने खोलना चाहा? मैं समझना चाहती थी कि बार-बार अपनी दुनिया को बिखरते देखना कैसा होता है। और हर बार उसके टुकड़ों को समेटकर फिर जीवन बनाना कैसे संभव होता है? वह जीवन, जिसमें प्रेम है, अपनों को खोने का दुख है, स्मृतियाँ हैं और लगातार यह तलाश है कि आखिर अपना कौन है, अपना घर कहाँ है। शायद मुखपृष्ठ की वे आँखें ही इस किताब का असली आकर्षण हैं। राजीव गांधी के कैमरे से ली गई सोनिया की श्वेत-श्याम तस्वीर। एक युवती, जिसके जीवन पर अभी इतिहास ने अपना दावा नहीं किया था। चेहरे पर सहजता है, अपने होने का आत्मविश्वास है। आँखों में कुछ खोजने, कुछ जानने की उत्सुकता है। और कोमलता के भीतर एक दृढ़ता भी झलकती है। किताब पलटिए। पिछले आवरण पर फिर सोनिया हैं। मगर कई दशक बाद की। इस बार तस्वीर उनके पोते ने ली है। रंगीन तस्वीर में वे खुलकर मुस्करा रही हैं। ऐसी आत्मीय मुस्कान, जिसमें न संकोच है, न किसी को कुछ जताने की कोशिश। मानो जीवन से अब कोई शिकायत नहीं। दोनों तस्वीरों को साथ देखिए। पहली में एक युवती अपने खयालों में खोई हुई है। आगे की दुनिया से बेखबर। दूसरी में वही स्त्री है, जिसने उस दुनिया को जी लिया है। प्रेम किया, परिवार बसाया, अपनों को खोया, सत्ता को करीब से देखा और ऐसे आघात सहे, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की होगी। फिर भी चेहरे पर सहज मुस्कान है। मानो जिंदगी ने जो दिया, जो छीना, उसके बाद अब किसी को कुछ साबित करना बाकी नहीं रहा। और इन दो तस्वीरों के बीच? एक पूरी जिंदगी है। ऐसी जिंदगी जिसे भारत ने दशकों तक देखा। उसके हर कदम पर राय बनाई। कभी अपनाया, कभी ठुकराया। उसके फैसलों की चीरफाड़ की, उसके इरादों पर संदेह किया। यहाँ तक कि उसकी निजी जिंदगी भी देश की राजनीतिक बहसों का हिस्सा बन गई। मगर अजीब है कि जिस चेहरे को भारत इतने वर्षों से जानता है, उस चेहरे के पीछे की स्त्री को कितना कम जानता है! राजीव से प्रेम करने वाली वह युवती कौन थी? भारत आने से पहले उसके सपने क्या थे? वह क्या चाहती थी? क्या सोचती थी? सोनिया गांधी बनने से पहले की सोनिया को जानने की उत्सुकता आखिर कितनों में रही? और जब विवाह, परिवार, देश और फिर इतिहास ने उसके जीवन की दिशा बदल दी, तब उसके भीतर की उस युवती का क्या हुआ? वह कितनी बची, कितनी बदली? हमने तो उसके जीवन का अर्थ भी अपनी-अपनी राजनीति से तय कर दिया। लेकिन उससे कभी पूछा ही नहीं कि उसने अपनी जिंदगी को कैसे जिया, कैसे समझा। 'बिलॉन्गिंग' एक ऐसे घर के भीतर ले जाती है, जिसे भारत पीढ़ियों से देखता आया है। मगर हमेशा बाहर से। नेहरू-गांधी परिवार की राजनीति, सत्ता, उसके उतार-चढ़ाव और विवादों के बारे में कितना कुछ लिखा-पढ़ा गया है। लेकिन उस घर के भीतर की जिंदगी? वहाँ भी वही रिश्ते हैं, जो किसी दूसरे परिवार में होते हैं। अपनापन है, छोटी-मोटी खटपट है, अनकही अपेक्षाएँ हैं, रिश्तों को निभाने की जिम्मेदारियाँ हैं। सोनिया की परिस्थितियाँ जरूर असाधारण थीं, लेकिन उनकी स्मृतियों में एक साधारण स्त्री की उलझनें भी हैं। एक नए घर में अपनी जगह बनाने की कोशिश। दूसरी भाषा, दूसरी संस्कृति, दूसरे रीति-रिवाजों को अपनाने की मुश्किल। और इस सबके बीच अपने पुराने घर, अपने देश, अपने बचपन का कुछ हिस्सा अपने भीतर बचाए रखने की चाह। सोचिए, इटली की एक युवती विवाह करके ऐसे परिवार में आई, जिसका इतिहास स्वतंत्र भारत के इतिहास से जुड़ा हुआ था। घर की मुखिया इंदिरा गांधी थीं। देश की प्रधानमंत्री। घर में सत्ता का वैभव था, प्रतिष्ठा थी, सुविधाएँ थीं। लेकिन क्या इन सबसे कोई अनजान घर अपना हो जाता है? क्या प्रधानमंत्री की बहू बन जाने से एक युवती की वे उलझनें खत्म हो जाती हैं, जो विवाह के बाद किसी नए संसार में कदम रखते हुए होती हैं? और क्या सत्ता की ताकत किसी को आने वाले दुखों से बचा सकती है? सोनिया ने तो राजीव से प्रेम किया था। उनके साथ जीवन बिताने के लिए भारत को चुना था। राजनीति नहीं चुनी थी। सत्ता की विरासत नहीं माँगी थी। वह तो बहुत बाद में ऐसी परिस्थितियों में उनके हिस्से आई, जिनकी उन्होंने शायद सपने में भी कल्पना नहीं की होगी। किताब पढ़ते हुए मुझे बार-बार लगता है कि हम दो अलग-अलग सोनिया को देख रहे हैं। एक वह स्त्री, जो अपने जीवन को याद कर रही है। अपने प्रेम, परिवार, संकोच, सुख-दुख और बिछुड़ने वालों को। दूसरी वह सोनिया गांधी, जिसे भारत ने दशकों की राजनीति में अपने हिसाब से गढ़ रखा है। किसी के लिए त्याग की प्रतिमूर्ति, किसी के लिए सत्ता की महत्वाकांक्षी, किसी के लिए विदेशी और किसी के लिए नेहरू-गांधी परिवार की विरासत सँभालने वाली नेता। मगर इन तमाम छवियों के पीछे जो स्त्री है, वह कहाँ है? किताब में वह अपनी बात कह रही है। और हम हैं कि उसकी बात सुनने के बजाय फिर उसी पुरानी राजनीतिक सोनिया को खोज रहे हैं। किताब आई और एक बार फिर राजनीति की सोनिया, उस सोनिया पर भारी पड़ गईं, जो अपनी जिंदगी सुना रही हैं। किस घटना का क्या अर्थ है, किस स्मृति में कितना सच है, किस प्रसंग में कौन-सा राजनीतिक खुलासा छिपा है? बहस इन्हीं बातों पर चल पड़ी। लेकिन उन घटनाओं को जीने वाली स्त्री के बारे में जानने की उत्सुकता कितनों में थी? उसकी आँखों से उस समय को देखने की कोशिश किसने की? मानो सोनिया गांधी की अपनी कोई जिंदगी थी ही नहीं। जो था, वह सब राजनीति थी। पुराने विवाद लौट आए। वही आरोप, वही संदेह। वही धारणा कि सत्ता की महत्वाकांक्षा तो शुरू से रही होगी। मानो इटली से भारत आई उस युवती को पहले दिन से मालूम था कि एक दिन उसे कांग्रेस की कमान सँभालनी है। राजीव से प्रेम, विवाह, बच्चे, घर-परिवार, सुख-दुख, सब जैसे किसी दूरगामी राजनीतिक योजना के हिस्से थे। वह जो कुछ कर रही थी, उसका एक ही लक्ष्य था—सत्ता! तब क्या प्रेम भी सत्ता तक पहुँचने का रास्ता था? क्या उस युवती की अपनी इच्छाएँ, अपने सपने, अपनी पसंद-नापसंद कुछ नहीं थीं? एक स्त्री, दो तस्वीरें और अनसुनी कहानी। दरअसल, हम किसी की जिंदगी को उसके आखिरी मुकाम से समझने की गलती करते हैं। जो व्यक्ति आज जहाँ खड़ा है, मान लेते हैं कि वह शुरू से वहीं पहुँचना चाहता था। सोनिया गांधी के साथ भी यही हुआ। राजीव से उनका विवाह सत्ता की ओर पहला कदम मान लिया गया। राजनीति से दूर रहने की उनकी इच्छा को चालाकी का पर्दा बताया गया। और जब उन्होंने कांग्रेस का नेतृत्व सँभाला तो उसे इस बात का सबूत बना दिया गया कि देखिए, महत्वाकांक्षा तो शुरू से थी! बस छिपाकर रखी गई थी। उधर सोनिया के प्रशंसकों ने भी अपनी एक अलग कहानी बना ली। उनके लिए सोनिया हमेशा त्याग करने वाली स्त्री हैं। पहले पति के लिए अपना देश छोड़ा। फिर परिवार के लिए अपने को समर्पित किया। और अंतत: कर्तव्य निभाने के लिए राजनीति में आईं। मानो उन्होंने जीवन में जो कुछ किया, वह सब दूसरों के लिए किया। अपनी कोई इच्छा नहीं, कोई महत्वाकांक्षा नहीं। एक तरफ सत्ता की भूखी सोनिया, दूसरी तरफ त्याग की देवी। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी सोनिया बना ली। असली सोनिया कहाँ हैं? क्या मनुष्य हमेशा वैसा ही रहता है, जैसा बीस-पच्चीस वर्ष की उम्र में था? क्या परिस्थितियाँ उसे नहीं बदलतीं? क्या जीवन के अनुभव, आघात, जिम्मेदारियाँ और अवसर उसकी इच्छाओं को नया रूप नहीं देते? यह क्यों नहीं हो सकता कि जिस युवती ने राजनीति के बारे में कभी सोचा भी नहीं था, उसमें आगे चलकर राजनीतिक महत्वाकांक्षा पैदा हुई हो? और यह भी क्यों नहीं हो सकता कि किसी समय उसने सचमुच राजनीति से दूर रहना चाहा हो, मगर बाद में परिस्थितियों ने उसे राजनीति में आने का फैसला करने पर मजबूर किया हो? मनुष्य का जीवन इतना सीधा कहाँ होता है! उसमें प्रेम भी होता है, महत्वाकांक्षा भी। संकोच भी होता है, सत्ता की इच्छा भी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 21 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

नाग-पूजा



प्रातःकाल था। आषढ़ का पहला दौंगड़ा निकल गया था। कीट-पतंग चारों तरफ रेंगते दिखायी देते थे। तिलोत्तमा ने वाटिका की ओर देखा तो वृक्ष और पौधे ऐसे निखर गये थे जैसे साबुन से मैने कपड़े निखर जाते हैं। उन पर एक विचित्र आध्यात्मिक शोभा छायी हुई थी मानों योगीवर आनंद में मग्न पड़े हों। चिड़ियों में असाधारण चंचलता थी। डाल-डाल, पात-पात चहकती फिरती थीं। तिलोत्तमा बाग में निकल आयी। वह भी इन्हीं पक्षियों की भाँति चंचल हो गयी थी। कभी किसी पौधे की देखती, कभी किसी फूल पर पड़ी हुई जल की बूँदो को हिलाकर अपने मुँह पर उनके शीतल छींटे डालती। लाज बीरबहूटियाँ रेंग रही थी। वह उन्हें चुनकर हथेली पर रखने लगी। सहसा उसे एक काला वृहत्काय साँप रेंगता दिखायी-दिया। उसने पिल्लाकर कहा—अम्माँ, नागजी जा रहे हैं। लाओ थोड़ा-सा दूध उनके लिए कटोरे में रख दूं।

अम्माँ ने कहा—जाने दो बेटी, हवा खाने निकले होंगे।

तिलोत्तमा—गर्मियों में कहाँ चले जाते हैं ? दिखायी नहीं देते।

माँ—कहीं जाते नहीं बेटी, अपनी बाँबी में पड़े रहते हैं।

तिलोत्तमा—और कहीं नहीं जाते ?

माँ—बेटी, हमारे देवता है और कहीं क्यों जायेगें ? तुम्हारे जन्म के साल से ये बराबर यही दिखायी देतें हैं। किसी से नही बोलते। बच्चा पास से निकल जाय, पर जरा भी नहीं ताकते। आज तक कोई चुहिया भी नहीं पकड़ी।

तिलोत्तमा—तो खाते क्या होंगे ?

माँ—बेटी, यह लोग हवा पर रहते हैं। इसी से इनकी आत्मा दिव्य हो जाती है। अपने पूर्वजन्म की बातें इन्हें याद रहती हैं। आनेवाली बातों को भी जानते हैं। कोई बड़ा योगी जब अहंकार करने लगता है तो उसे दंडस्वरुप इस योनि में जन्म लेना पड़ता है। जब तक प्रायश्चित पूरा नहीं होता तब तक वह इस योनि में रहता है। कोई-कोई तो सौ-सौ, दो-दो सौं वर्ष तक जीते रहते हैं।

तिलोत्तमा—इसकी पूजा न करो तो क्या करें।

माँ—बेटी, कैसी बच्चों की-सी बातें करती हो। नाराज हो जायँ तो सिर पर न जाने क्या विपत्ति आ पड़े। तेरे जन्म के साल पहले-पहल दिखायी दिये थे। तब से साल में दस-पाँच बार अवश्य दर्शन दे जाते हैं। इनका ऐसा प्रभाव है कि आज तक किसी के सिर में दर्द तक नहीं हुआ। कई वर्ष हो गये। तिलोत्तमा बालिका से युवती हुई। विवाह का शुभ अवसर आ पहुँचा। बारात आयी, विवाह हुआ, तिलोत्तमा के पति-गृह जाने का मुहूर्त आ पहुँचा।

नयी वधू का श्रृंगार हो रहा था। भीतर-बाहर हलचल मची हुई थी, ऐसा जान पड़ता था भगदड़ पड़ी हुई है। तिलोत्तमा के हृदय में वियोग दुःख की तरंगे उठ रही हैं। वह एकांत में बैठकर रोना चाहती है। आज माता-पिता, भाईबंद, सखियाँ-सहेलियाँ सब छूट जायेगी। फिर मालूम नहीं कब मिलने का संयोग हो। न जाने अब कैसे आदमियों से पाला पड़ेगा। न जाने उनका स्वभाव कैसा होगा। न जाने कैसा बर्ताव करेंगे। अममाँ की आँखें एक क्षण भी न थमेंगी। मैं एक दिन के लिए कही, चली जाती थी तो वे रो-रोकर व्यथित हो जाती थी। अब यह जीवनपर्यन्त का वियोग कैसे सहेंगी ? उनके सिर में दर्द होता था जब तक मैं धीरे-धीरे न मलूँ, उन्हें किसी तरह कल-चैन ही न पड़ती थी। बाबूजी को पान बनाकर कौन देगा ? मैं जब तक उनका भोजन न बनाऊँ, उन्हें कोई चीज रुचती ही न थी? अब उनका भोजन कौन बानयेगा ? मुझसे इनको देखे बिना कैसे रहा जायगा? यहाँ जरा सिर में दर्द भी होता था तो अम्माँ और बाबूजी घबरा जाते थे। तुरंत बैद-हकीम आ जाते थे। वहाँ न जाने क्या हाल होगा। भगवान् बंद घर में कैसे रहा जायगा ? न जाने वहाँ खुली छत है या नहीं। होगी भी तो मुझे कौन सोने देगा ? भीतर घुट-घुट कर मरुँगी। जगने में जरा देर हो जायगी तो ताने मिलेंगे। यहाँ सुबह को कोई जगाता था, तो अम्माँ कहती थीं, सोने दो। कच्ची नींद जाग जायगी तो सिर में पीड़ा होने लगेगी। वहाँ व्यंग सुनने पड़ेंगे, बहू आलसी है, दिन भर खाट पर पड़ी रहती है। वे (पति) तो बहुत सुशील मालूम होते हैं। हाँ, कुछ अभिमान अवश्य हैं। कहों उनका स्वाभाव निठुर हुआ तो.....?

सहसा उनकी माता ने आकर कहा-बेटी, तुमसे एक बात कहने की याद न रही। वहाँ नाग-पूजा अवश्य करती रहना। घर के और लोग चाहे मना करें; पर तुम इसे अपना कर्तव्य समझना। अभी मेरी आँखें जरा-जरा झपक गयी थीं। नाग बाबा ने स्वप्न में दर्शन दिये।

तिलोत्तमा—अम्माँ, मुझे भी उनके दर्शन हुए हैं, पर मुझे तो उन्होंले बड़ा विकाल रुप दिखाया। बड़ा भंयंकर स्वप्न था।

माँ—देखना, तुम्हारे धर में कोई साँप न मारने पाये। यह मंत्र नित्य पास रखना।

तिलोत्तमा अभी कुछ जवाब न देने पायी थी कि अचानक बारात की ओर से रोने के शब्द सुनायी दिये, एक क्षण में हाहाकर मच गया। भंयकर शोक-घटना हो गयी। वर को साँप ने काट लिया। वह बहू को बिदा कराने आ रहा था। पालकी में मसनद के नीचे एक काला साँप छिपा हुआ था। वर ज्यों ही पालकी में बैठा, साँप ने काट लिया।

चारों ओर कुहराम मच गया। तिलात्तमा पर तो मनों वज्रपात हो गया। उसकी माँ सिर पीट-पीट रोने लगी। उसके पिता बाबू जगदीशचंद्र मूर्च्छित होकर गिर पड़े। हृदयरोग से पहले ही से ग्रस्त थे। झाड़-फूँक करने वाले आये, डाक्टर बुलाये गये, पर विष घातक था। जरा देर में वर के होंठ नीले पड़ गये, नख काले हो गये, मूर्छा आने लगी। देखते-देखते शरीर ठंडा पड़ गया। इधर उषा की लालिमा ने प्रकृति को अलोकित किया, उधर टिमटिमाता हुआ दीपक बुझ गया।

जैसे कोई मनुष्य बोरों से लदी हुई नाव पर बैठा हुआ मन में झुँझलाता है कि यह और तेज क्यों नहीं चलती , कहीं आराम से बैठने की जगह नहीं, राह इतनी हिल क्यों रही हैं, मैं व्यर्थ ही इसमें बैठा; पर अकस्मात् नाव को भँवर में पड़ते देख कर उसके मस्तूल से चिपट जाता है, वही दशा तिलोत्तमा की हुई। अभी तक वह वियोगी दुःख में ही मग्न थी, ससुराल के कष्टों और दुर्व्यवस्थाओं की चिंताओं में पड़ी हुई थी। पर, अब उसे होश आया की इस नाव के साथ मैं भी डूब रही हूँ। एक क्षण पहले वह कदाचित् जिस पुरुष पर झुँझला रही थी, जिसे लुटेरा और डाकू समझ रही थी, वह अब कितना प्यारा था। उसके बिना अब जीवन एक दीपक था; बुझा हुआ। एक वृक्ष था; फल-फूल विहीन। अभी एक क्षण पहले वह दूसरों की इर्ष्या का कारण थी, अब दया और करुणा की।

थोड़े ही दिनों में उसे ज्ञात हो गया कि मैं पति-विहीन होकर संसार के सब सुखों से वंचित हो गयी। एक वर्ष बीत गया। जगदीशचंद्र पक्के धर्मावलम्बी आदमी थे, पर तिलोत्तमा का वैधव्य उनसे न सहा गया। उन्होंने तिलोत्तमा के पुनर्विवाह का निश्चय कर लिया। हँसनेवालों ने तालियाँ बाजायीं पर जगदीश बाबू ने हृदय से काम लिया। तिलात्तमा पर सारा घर जान देता था। उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई बात न होने पाती यहाँ तक कि वह घर की मालकिन बना दी गई थी। सभी ध्यान रखते कि उसकी रंज ताजा न होने पाये। लेकिन उसके चेहरे पर उदासी छायी रहती थी, जिसे देख कर लोगों को दुःख होता था। पहले तो माँ भी इस सामाजिक अत्याचार पर सहमत न हुई; लेकिन बिरादरीवालों का विरोध ज्यों-ज्यों बढ़ता गया उसका विरोध ढीला पड़ता गया। सिद्धांत रुप से तो प्रायः किसी को आपत्ति न थी किन्तु उसे व्यवहार में लाने का साहस किसी में न था। कई महीनों के लगातार प्रयास के बाद एक कुलीन सिद्धांतवादी, सुशिक्षित वर मिला। उसके घरवाले भी राजी हो गये। तिलोत्तमा को समाज में अपना नाम बिकते देख कर दुःख होता था। वह मन में कुढ़ती थी कि पिताजी नाहक मेरे लिए समाज में नक्कू बन रहे हैं। अगर मेरे भाग्य में सुहाग लिखा होता तो यह वज्र ही क्यों गिरता। तो उसे कभी-कभी ऐसी शंका होती थी कि मैं फिर विधवा हो जाऊँगी। जब विवाह निश्चित हो गया और वर की तस्वीर उसके सामने आयी तो उसकी आँखों में आँसू भर आये। चेहरे से कितनी सज्जनता, कितनी दृढ़ता, कितनी विचारशीलता टपकती थी। वह चित्र को लिए हुए माता के पास गयी और शर्म से सिर झुकाकर बोली-अम्माँ, मुँह मुझे तो न खोलना चाहिए, पर अवस्था ऐसी आ पड़ी है कि बिना मुँह खोले रहा नहीं जाता। आप बाबूजी को मना कर दें। मैं जिस दशा में हूँ संतुष्ट हूँ। मुझे ऐसा भय हो रहा है कि अबकी फिर वही शोक घटना.....

माँ ने सहमी हुई आँखों से देख कर कहा—बेटी कैसी अशगुन की बात मुँह से निकाल रही हो। तुम्हारे मन में भय समा गया है, इसी से यह भ्रम होता है। जो होनी थी, वह हो चुकी। अब क्या ईश्वर क्या तुम्हारे पीछे पड़े ही रहेंगे ?

तिलोत्तमा—हाँ, मुझे तो ऐसा मालूम होता है ?

माँ—क्यों, तुम्हें ऐसी शंका क्यों होती है ?

तिलोत्तमा—न जाने क्यो ? कोई मेरे मन मे बैठा हुआ कह रहा है कि फिर अनिष्ट होगा। मैं प्रयाः नित्य डरावने स्वप्न देखा करती हूँ। रात को मुझे ऐसा जान पड़ता है कि कोई प्राणी जिसकी सूरत साँप से बहुत मिलती-जुलती है मेरी चारपाई के चारों ओर घूमता है। मैं भय के मारे चुप्पी साध लेती हूँ। किसी से कुछ कहती नहीं।

माँ ने समझा यह सब भ्रम है। विवाह की तिथि नियत हो गयी। यह केवल तिलोत्तमा का पुनर्संस्कार न था, बल्कि समाज-सुधार का एक क्रियात्मक उदाहरण था। समाज-सुधारकों के दल दूर से विवाह सम्मिलित होने के लिए आने लगे, विवाह वैदिक रीति से हुआ। मेहमानों ने खूब वयाख्यान दिये। पत्रों ने खूब आलोचना? कीं। बाबू जगदीशचंद्र के नैतिक साहस की सराहना होने लगी। तीसरे दिन बहू के विदा होने का मुहूर्त था।

जनवासे में यथासाध्य रक्षा के सभी साधनों से काम लिया गया था। बिजली की रोशनी से सारा जनवास दिन-सा हो गया था। भूमि पर रेंगती हुई चींटी भी दिखाई देती थी। केशों में न कहीं शिकन थी, न सिलवट और न झोल। शामियाने के चारों तरफ कनातें खड़ी कर दी गयी थी। किसी तरफ से कीड़ो-मकोड़ों के आने की संम्भावना न थी; पर भावी प्रबल होती है। प्रातःकाल के चार बजे थे। तारागणों की बारात विदा हो रही थी। बहू की विदाई की तैयारी हो रही थी। एक तरफ शहनाइयाँ बज रही थी। दूसरी तरफ विलाप की आर्तध्वनि उठ रही थी। पर तिलोत्तमा की आँखों में आँसू न थे, समय नाजुक था। वह किसी तरह घर से बाहर निकल जाना चाहती थी। उसके सिर पर तलवार लटक रही थी। रोने और सहेलियों से गले मिलने में कोई आनंद न था। जिस प्राणी का फोड़ा चिलक रहा हो उसे जर्राह का घर बाग में सैर करने से ज्यादा अच्छा लगे, तो क्या आश्चर्य है।

वर को लोगों ने जगया। बाजा बजने लगा। वह पालकी में बैठने को चला कि वधू को विदा करा लाये। पर जूते में पैर डाला ही था कि चीख मार कर पैर खींच लिया। मालूम हुआ, पाँव चिनगारियों पर पड़ गया। देखा तो एक काला साँप जूते में से निकलकर रेंगता चला जाता था। देखते-देखते गायब हो गया। वर ने एक सर्द आह भरी और बैठ गया। आँखों में अंधेरा छा गया।

एक क्षण में सारे जनवासे में खबर फैली गयी, लोग दौड़ पड़े। औषधियाँ पहले ही रख ली गयी थीं। साँप का मंत्र जाननेवाले कई आदमी बुला लिये गये थे। सभी ने दवाइयाँ दीं। झाड़-फूँक शुरु हुई। औषधियाँ भी दी गयी, पर काल के समान किसी का वश न चला। शायद मौत साँप का वेश धर कर आयी थी। तिलोत्तमा ने सुना तो सिर पीट लिया। वह विकल होकर जनवासे की तरफ दौड़ी। चादर ओढ़ने की भी सुधि न रही। वह अपने पति के चरणों को माथे से लगाकर अपना जन्म सफल करना चाहती थी। घर की स्त्रियों ने रोका। माता भी रो-रोकर समझाने लगी। लेकिन बाबू जगदीशचन्द्र ने कहा-कोई हरज नहीं, जाने दो। पति का दर्शन तो कर ले। यह अभिलाषा क्यों रह जाय। उसी शोकान्वित दशा में तिलोत्तमा जनवासे में पहुँची, पर वहाँ उसकी तस्कीन के लिए मरनेवाले की उल्टी साँसें थी। उन अधखुले नेत्रों में असह्य आत्मवेदना और दारुण नैराश्य। इस अद्भुत घटना का सामाचार दूर-दूर तक फैल गया। जड़वादोगण चकित थे, यह क्या माजरा है। आत्मवाद के भक्त ज्ञातभाव से सिर हिलाते थे मानों वे चित्रकालदर्शी हैं। जगदीशचन्द्र ने नसीब ठोंक लिया। निश्चय हो गया कि कन्या के भाग्य में विधवा रहना ही लिखा है। नाग की पूजा साल में दो बार होने लगी। तिलोत्तमा के चरित्र में भी एक विशेष अंतर दीखने लगा। भोग और विहार के दिन भक्ति और देवाराधना में कटने लगे। निराश प्राणियों का यही अवलम्ब है।

तीन साल बीत थे कि ढाका विश्वविद्यालय के अध्यापक ने इस किस्से को फिर ताजा किया। वे पशु-शास्त्र के ज्ञाता थे। उन्होंने साँपों के आचार-व्यवहार का विशेष रीति से अध्ययन किया। वे इस रहस्य को खोलना चाहते थे। जगदीशचंद्र को विवाह का संदेश भेजा। उन्होंने टाल-मटोल किया। दयाराम ने और भी आग्रह किया। लिखा, मैने वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए यह निश्चय किया है। मैं इस विषधर नाग से लड़ना चाहता हूँ। वह अगर सौ दाँत ले कर आये तो भी मुझे कोई हानि नहीं पहुँचा सकता, वह मुझे काट कर आप ही मर जायेगा। अगर वह मुझे काट भी ले तो मेरे पास ऐसे मंत्र और औषधियाँ है कि मैं एक क्षण में उसके विष को उतार सकता हूँ। आप इस विषय में कुछ चिंता न किजिए। मैं विष के लिए अजेय हूँ। जगदशीचंद्र को अब कोई उज्र न सूझा। हाँ, उन्होंने एक विशेष प्रयत्न यह किया कि ढाके में ही विवाह हो। अतएब वे अपने कुटुम्बियों को साथ ले कर विवाह के एक सप्ताह पहले गये। चलते समय अपने संदूक, बिस्तर आदि खूब देखभाल कर रखे कि साँप कहीं उनमें उनमें छिप कर न बैठा जाय। शुभ लगन में विवाह-संस्कार हो गया। तिलोत्तमा विकल हो रही थी। मुख पर एक रंग आता था, एक रंग जाता था, पर संस्कार में कोई विध्न-बाधा न पड़ी। तिलोत्तमा रो धो-कर ससुराल गयी। जगदीशचंद्र घर लौट आये, पर ऐसे चिंतित थे जैसे कोई आदमी सराय मे खुला हुआ संदूक छोड़ कर बाजार चला जाय।

तिलोत्तमा के स्वभाव में अब एक विचित्र रुपांतर हुआ। वह औरों से हँसती-बोलती आराम से खाती-पीती सैर करने जाती, थियेटरों और अन्य सामाजिक सम्मेलनों में शरीक होती। इन अवसरों पर प्रोफेसर दया राम से भी बड़े प्रेम का व्यवहार करती, उनके आराम का बहुत ध्यान रखती। कोई काम उनकी इच्छा के विरुद्ध न करती। कोई अजनबी आदमी उसे देखकर कह सकता था, गृहिणी हो तो ऐसी हो। दूसरों की दृष्टि में इस दम्पत्ति का जीवन आदर्श था, किन्तु आंतरिक दशा कुछ और ही थी। उनके साथ शयनागार में जाते ही उसका मुख विकृत हो जाता, भौंहें तन जाती, माथे पर बल पड़ जाते, शरीर अग्नि की भाँति जलने लगता, पलकें खुली रह जाती, नेत्रों से ज्वाला-सी निकलने लगती और उसमें से झुलसती हुई लपटें निकलती, मुख पर कालिमा छा जाती और यद्यपि स्वरुप में कोई विशेष अन्तर न दिखायी देखायी देता; पर न जाने क्यों भ्रम होने लगता, यह कोई नागिन है। कभी ङ्कभी वह फुँकारने भी लगतीं। इस स्थिति में दयाराम को उनके समीप जाने या उससे कुछ बोलने की हिम्मत न पड़ती। वे उसके रुप-लावण्य पर मुग्ध थे, किन्तु इस अवस्था में उन्हें उससे घृणा होती। उसे इसी उन्माद के आवेग में छोड़ कर बाहर निकल आते। डाक्टरों से सलाह ली, स्वयं इस विषय की कितनी ही किताबों का अध्ययन किया; पर रहस्य कुछ समझ में न आया, उन्हें भौतिक विज्ञान में अपनी अल्पज्ञता स्वीकार करनी पड़ी।

उन्हें अब अपना जीवन असह्य जान पड़ता। अपने दुस्साहस पर पछताते। नाहक इस विपत्ति में अपनी जान फँसायी। उन्हें शंका होने लगी कि अवश्य कोई प्रेत-लीला है ! मिथ्यावादी न थे, पर जहाँ बुद्धि और तर्क का कुछ वश नहीं चलता, वहाँ मनुष्य विवश होकर मिथ्यावादी हो जाता है।

शनैः-शनैः उनकी यह हालत हो गयी कि सदैव तिलोत्तमा से सशंक रहते। उसका उन्माद, विकृत मुखाकृति उनके ध्यान से न उतरते। डर लगता कि कहीं यह मुझे मार न डाले। न जाने कब उन्माद का आवेग हो। यह चिन्ता हृदय को व्यथित किया करती। हिप्नाटिज्म, विद्युत्शक्ति और कई नये आरोग्यविधानों की परीक्षा की गयी । उन्हें हिप्नाटिज्म पर बहुत भरोसा था; लेकिन जब यह योग भी निष्फल हो गया तो वे निराश हो गये। एक दिन प्रोफेसर दयाराम किसी वैज्ञनिक सम्मेलन में गए हुए थे। लौटे तो बारह बज गये थे। वर्षा के दिन थे। नौकर-चाकर सो रहे थे। वे तिलोत्तमा के शयनगृह में यह पूछने गये कि मेरा भोजन कहाँ रखा है। अन्दर कदम रखा ही था कि तिलोत्तमा के सिरंहाने की ओर उन्हें एक अतिभीमकाय काला साँप बैठा हुआ दिखायी दिया। प्रो. साहब चुपके से लौट आये। अपने कमरे में जा कर किसी औषधि की एक खुराक पी और पिस्तौल तथा साँगा ले कर फिर तिलोत्तमा के कमरे में पहुँचे। विश्वास हो गया कि यह वही मेरा पुराना शत्रु है। इतने दिनों में टोह लगाता हुआ यहाँ आ पहुँचा। पर इसे तिलोत्तामा से क्यों इतना स्नेह है। उसके सिरहने यों बैठा हुआ है मानो कोई रस्सी का टुकड़ा है। यह क्या रहस्य है ! उन्होंने साँपों के विषय में बड़ी अदभूत कथा? पढ़ी और सुनी थी, पर ऐसी कुतूहलजनक घटना का उल्लेख कहीं न देखा था। वे इस भाँति सशसत्र हो कर फिर कमरे में पहुँचे तो साँप का पात न था। हाँ, तिलोत्तमा के सिर पर भूत सवार हो गया था। वह बैठी हुई आग्ये हुई नेत्रों के द्वारा की ओर ताक रही थी। उसके नयनों से ज्वाला निकल रही थी, जिसकी आँच दो गज तक लगती। इस समय उन्माद अतिशय प्रचंड था। दयाराम को देखते ही बिजली की तरह उन पर टूट पड़ी और हाथों से आघात करने के बदले उन्हें दाँतों से काटने की चेष्टा करने लगी। इसके साथ ही अपने दोनों हाथ उनकी गरदन डाल दिये। दयाराम ने बहुतेरा चाहा, ऐड़ी-चोटी तक का जोर लगा कि अपना गला छुड़ा लें, लेकिन तिलोत्तमा का बाहुपाश प्रतिक्षण साँप की केड़ली की भाँति कठोर एवं संकुचित होता जाता था। उधर यह संदेह था कि इसने मुझे काटा तो कदाचित् इसे जान से हाथ धोना पड़े। उन्होंने अभी जो औषधि पी थी, वह सर्प विष से अधिक घातक थी। इस दशा में उन्हें यह शोकमय विचार उत्पन्न हुआ। यह भी कोई जीवन है कि दम्पति का उत्तरदायित्व तो सब सिर पर सवार, उसका सुख नाम का नहीं, उलटे रात-दिन जान का खटका। यह क्या माया है। वह साँप कोई प्रेत तो नही है जो इसके सिर आकर यह दशा कर दिया करता है। कहते है कि ऐसी अवस्था में रोगी पर चोट की जाती है, वह प्रेत पर ही पड़ती हैं नीचे जातियों में इसके उदाहरण भी देखे हैं। वे इसी हैंसबैस में पड़े हुए थे कि उनका दम घुटने लगा। तिलात्तमा के हाथ रस्सी के फंदे की भाँति उनकी गरदन को कस रहे थें वे दीन असहाय भाव से इधर-उधर ताकने लगे। क्योंकर जान बचे, कोई उपाय न सूझ पड़ता था। साँस लेना। दुस्तर हो गया, देह शिथिल पड़ गयी, पैर थरथराने लगे। सहसा तिलोत्तमा ने उनके बाँहों की ओर मुँह बढ़ाया। दयाराम काँप उठे। मृत्यु आँखें के सामने नाचने लगी। मन में कहा—यह इस समय मेरी स्त्री नहीं विषैली भयंकर नागिन हैः इसके विष से जान बचानी मुश्किल है। अपनी औषधि पर जो भरोसा था, वह जाता रहा। चूहा उन्मत्त दशा में काट लेता है तो जान के लाले पड़ जाते है। भगवान् ? कितन विकराल स्वरुप है ? प्रत्यक्ष नागिन मालूम हो रही है। अब उलटी पड़े या सीधी इस दशा का अंत करना ही पड़ेगा। उन्हें ऐसा जान पड़ा कि अब गिरा ही चाहता हूँ। तिलोत्तमा बार-बार साँप की भाँति फुँकार मार कर जीभ निकालते हुए उनकी ओर झपटती थी। एकाएक वह बड़े कर्कश स्वर से बोली—'मूर्ख ? तेरा इतना साहस कि तू इस सुदंरी से प्रेमलिंगन करे।' यह कहकर वह बड़े वेग से काटने को दौड़ी। दयाराम का धैर्य जाता रहा। उन्होंने दहिना हाथ सीधा किया और तिलोत्तमा की छाती पर पिस्तौल चला दिया। तिलोत्तमा पर कुछ असर न हुआ। बाहें और भी कड़ी हो गयी; आँखों से चिनगारियाँ निकलने लगी। दयाराम ने दूसरी गोली दाग दी। यह चोट पूरी पड़ी। तिलोत्तमा का बाहु-बंधन ढीला पड़ गया। एक क्षण में उसके हाथ नीचे को लटक गये, सिर झुक गया और वह भूमि पर गिर पड़ी।

तब वह दृश्य देखने में आया जिसका उदाहराण कदाचित् अलिफलैला चंद्रकांता में भी न मिले। वही फ्लँग के पास, जमीन पर एक काला दीर्घकाय सर्प पड़ा तड़प रहा था। उसकी छाती और मुँह से खून की धारा बह रही थी।

दयाराम को अपनी आँखों पर विश्वास न आता था। यह कैसी अदभुत प्रेत-लीला थी! समस्या क्या है किससे पूछूँ ? इस तिलस्म को तोड़ने का प्रयत्न करना मेरे जीवन का एक कर्त्तव्य हो गया। उन्होंने साँगे से साँप की देह मे एक कोचा मारा और फिर वे उसे लटकाये हुए आँगन में लाये। बिलकुल बेदम हो गया था। उन्होंने उसे अपने कमरे में ले जाकर एक खाली संदूक में बंदकर दिया। उसमें भुस भरवा कर बरामदे में लटकाना चाहते थे। इतना बड़ा गेहुँवन साँप किसी ने न देखा होगा।

तब वे तिलोत्तमा के पास गये। डर के मारे कमरे में कदम रखने की हिम्मत न पड़ती थी। हाँ, इस विचार से कुछ तस्कीन होती थी कि सर्प प्रेत मर गया है तो उसकी जान बच गयी होगी। इस आशा और भय की दशा में वे अन्दर गये तो तिलोत्तमा आईने के सामने खड़ी केश सँवार रही थी।

दयाराम को मानो चारों पदार्थ मिल गये। तिलोत्तमा का मुख-कमल खिला हुआ था। उन्होंने कभी उसे इतना प्रफुल्लित न देखा था। उन्हें देखते ही वह उनकी ओर प्रेम से चली और बोली—आज इतनी रात तक कहाँ रहे ?

दयाराम प्रेमोन्नत हो कर बोले—एक जलसे में चला गया था। तुम्हारी तबीयत कैसी हे ? कहीं दर्द नहीं है ?

तिलोत्तमा ने उनको आश्चर्य से देख कर पूछा—तुम्हें कैसे मालूम हुआ ? मेरी छाती में ऐसा दर्द हो रहा है, जैस चिलक पड़ गयी हो।

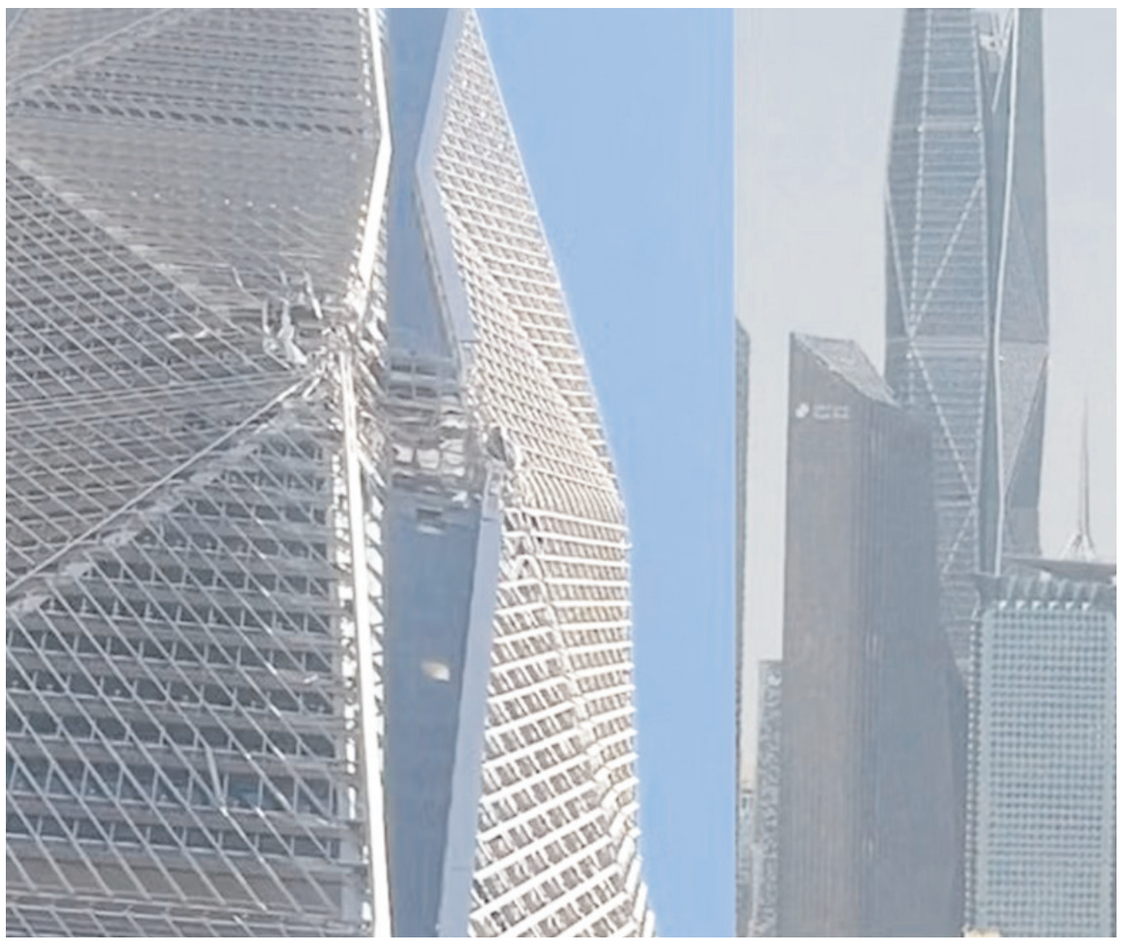
राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 21 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

अमेरिकी सेना खतरनाक केमिकल को धमाके से उड़ाएगी, जहरीली धूल से लोग सदमे में

सरकार ने खतरे की चेतावनी देने में देरी की, आसपास के शहरों में मचा हड़कंप



वाशिंगटन। अमेरिकी एक राज्य में सेना करीब 5 टन बम बनाने वाले बेहद खतरनाक केमिकल को धमाके से उड़ाने जा रही है। ये केमिकल 20 साल पुराने हैं और कभी भी अपने आप फट सकते हैं। इस धमाके से हवा में लेड की जहरीली धूल का बादल छाने का खतरा है, जिसे बारूद भरी आंधी कहा जा रहा है। सरकार ने इस जानलेवा खतरे की चेतावनी देने में काफी देरी कर दी, जिससे आसपास के शहरों में हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आनन-फानन में स्कूलों और लाइब्रेरी को बंद कर दिया है। लोगों से कहा गया है कि वे या तो घर खाली कर दें या फिर दरवाजे-खिड़कियां बंद करके अंदर ही रहें। ये घटना अमेरिका के आयोवा राज्य के दक्षिण-पूर्वी हिस्से की है। पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने 13 नवंबर को इस धमाके के लिए इमरजेंसी परमिट जारी किया था, लेकिन 100 मील दूर तक के इलाकों को नोटिस भेजा था। मीडियापोलिस शहर के अधिकारियों को नक्शा देखने के बाद पता चला कि उनका पूरा शहर इस जहरीली धूल के सीधे रास्ते में है। आयोवा की गवर्नर के दफ्तर को भी सार्वजनिक चेतावनी के बारे में सोमवार को पहली बार बताया गया। स्कूलों में छुट्टी का ऐलान किया गया और खेल-कूद के सारे कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। जानकारों के मुताबिक धमाके के बाद उठने वाली ये जहरीली धूल हवा में अधिकतम एक घंटे तक रहेगी, लेकिन इसके बाद ये जमीन, घरों की छतों और पेड़ों पर बैठ जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस धूल में लेड यानी सीसा और बारूद बनाने वाले केमिकल के सूक्ष्म कण मिले होंगे। अगर कोई व्यक्ति इस धूल के संपर्क में आता है या सांस के जरिए इसे अंदर खींच लेता है, तो ये सीधे उसके खून और नर्वस सिस्टम पर हमला करता है। विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कहा कि लेड एक खतरनाक न्यूरोलॉजिकल टॉक्सिन है, जो सीधे इंसान के दिमाग की नसों को नुकसान पहुंचाता है। सूखा हुआ लेड एजाइड इतना संवेदनशील होता है कि जरा सी रगड़ या झटके से भी इसमें अपने आप विस्फोट हो सकता है। सेना के मुताबिक ठंड बढ़ने के साथ इसके अपने आप फटने का खतरा कई गुना बढ़ गया है। इन बैरलों को छूना या किसी दूसरी जगह ले जाना सीधे मौत को दावत देने जैसा था, इसलिए धमाका ही एकमात्र विकल्प बचा है। खतरे को देखते हुए प्रशासन ने प्लांट के बिल्कुल पास बसे मिडलटाउन के लोगों को घर खाली करके सुरक्षित जगह जाने को कहा है। जो लोग घर नहीं छोड़ सकते, उन्हें दरवाजे-खिड़कियां कसकर बंद रखने और घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी है। सेना ने धूल को रोकने के लिए बैरलों के चारों तरफ कंक्रीट की मोटी दीवार और दो मंजिला ऊंचे रेत के टीले बनाए हैं।



सऊदी अरब की राजधानी रियाद में सोवरजिन वेल्थ फंड के मुख्यालय की इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गयी।

फासीवादी ताकतों का मुकाबला और साजिशों को नाकाम करने एकजुट हो

बांग्लादेशी पीएम तारिक रहमान ने सभी राजनीतिक दलों से की अपील

ढाका। बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान ने शेख हसीना की प्रतिबंधित पार्टी अवामी लीग की ''वापसी'' को रोकने के लिए ''लोकतांत्रिक ताकतों'' से एकजुट होने का आह्वान किया। हसीना ने मौत की सजा सुनाए जाने के बावजूद दिसंबर में स्वदेश लौटने की घोषणा की है, जिसके बाद देश में राजनीतिक हिंसा भड़क उठी है। रहमान ने संसद में अपने संबोधन में कहा कि इन आतंकवादियों ने एक बार फिर देश और उसके लोगों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां शुरू कर दी हैं। बांग्लादेश के कई हिस्सों में राजनीतिक हिंसा भड़कने से पिछले दो दिनों में कम से कम चार लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम तारिक ने सभी लोकतांत्रिक राजनीतिक दलों से एक मंच पर एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिस तरह जुलाई विद्रोह के दौरान छात्र नेतृत्व वाले हिंसक सड़क प्रदर्शनों में अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाने के लिए राजनीतिक दल एकजुट हुए थे, उसी तरह अब भी उन्हें उस ''पराजित, सत्ता से बेदखल की गई और फासीवादी ताकतों'' का मुकाबला करने और उनकी साजिशों को नाकाम करने के लिए एकजुट होना चाहिए। रहमान ने कहा कि आइए, हम एक बार फिर 2024 की तरह ही एकजुट हों, जब हमने देश से निरंकुश शक्तियों को बाहर कर दिया था और यह तय करें कि उन ताकतों को निर्णायक रूप से पराजित किया जाए। रिपोर्ट के मुताबिक संसद के मौजूदा सत्र के समापन के अवसर पर अपने अंतिम संबोधन से पहले उन्होंने अपनी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसदों से तत्काल अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लौटने और राजनीतिक हिंसा के बीच सड़कों पर सक्रिय रूप से मौजूद रहने को कहा। रहमान ने बीएनपी सांसदों से कहा कि वे अवामी लीग कार्यकर्ताओं का मुकाबला करने के लिए केवल सरकारी तंत्र या प्रशासन पर निर्भर नहीं रहें, बल्कि पार्टी के जमीनी स्तर के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करें। बता दें बुधवार शाम बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में फिर हिंसा भड़क उठी।

पाकिस्तान का फतेह-3 परीक्षण: क्या यह ब्रह्मोस की बराबरी कर पाएगा?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी नई सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल फतह-3 का सफल परीक्षण करने का दावा किया है। यह कदम भारत की शक्तिशाली ब्रह्मोस मिसाइल की संभावित काट खोजने के प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तानी सेना ने 18 नवंबर को इस परीक्षण की घोषणा की। उनके मुताबिक, फतह-3 अत्याधुनिक नेविगेशन और प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है, जो लंबी दूरी पर स्थित ठिकानों को तेज रफ्तार और सटीक मारक क्षमता के साथ निशाना बना सकती है। पाकिस्तान इसे अपनी आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड की मारक क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि बता रहा है, जिससे पारंपरिक मिसाइल हमलों की दूरी और प्रभावशीलता बढ़ेगी। इस परीक्षण के बाद फतह-3 की तुलना स्वाभाविक रूप से भारत की ब्रह्मोस मिसाइल से होने लगी है, जो लंबे समय से भारत की सबसे प्रभावी स्ट्राइक मिसाइलों में गिनी जाती है। हालांकि, पाकिस्तान ने फतह-3 की अधिकतम रेंज, वास्तविक उड़ान गति, वारहेड क्षमता और निशाना साधने की सटीकता जैसे विस्तृत आंकड़े अभी सार्वजनिक नहीं किए हैं, जिससे इसकी वास्तविक क्षमता का आकलन सीमित जानकारी के आधार पर ही किया जा सकता है। रक्षा विशेषज्ञों ने फतह-3 की बनावट और डिज़ाइन में चीन के तकनीकी सहयोग की आशंका जताई है।

ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात का साक्षी बना किलिन विला

बीजिंग। चीन के शेनझेन शहर में आज इतिहास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है, जहाँ दुनिया की तीन महाशक्तियाँ ङ्क चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ङ्क एक मंच पर आ रही हैं। इस अभूतपूर्व कूटनीतिक मुलाकात का गवाह किलिन विला बन रहा है, जहाँ वैश्विक राजनीति के तीन सबसे प्रभावशाली चेहरे एक साथ जुटेंगे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस अहम बैठक के लिए कोई साधारण जगह नहीं चुनी है; इसके पीछे गहरा इतिहास और कई रहस्य छिपे हैं।

पादरी को हैती के राष्ट्रपति हत्या से जुड़े आपराधिक मामले में दोषी ठहराया

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में रहने वाले पादरी को हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज की 2021 में हुई हत्या से जुड़े अमेरिकी आपराधिक मामले में दोषी ठहराया। पादरी के पास हैती और अमेरिका, दोनों देशों की नागरिकता है। मियामी की संघीय अदालत में करीब आठ सप्ताह तक चली सुनवाई के बाद क्रिश्चियन इमैनुएल सेनन को मोइज की हत्या की साजिश रचने समेत सभी आठ आरोपों में दोषी पाया गया। इनमें सबसे गंभीर आरोप अमेरिका के बाहर किसी व्यक्ति के अपहरण या हत्या की साजिश रचना था। सेनन को आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। मियामी की संघीय अदालत में जब फैसला सुनाया गया, तो उसके चेहरे पर कोई खास प्रतिक्रिया दिखाई नहीं दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान संघीय अभियोजकों ने कहा कि दक्षिण फ्लोरिडा, मोइज को सत्ता से हटाकर साजिशकर्ताओं की पसंद का राष्ट्रपति नियुक्त करने की योजना बनाने और उसके लिए धन जुटाने का प्रमुख केंद्र था। अभियोजकों के मुताबिक साजिशकर्ताओं ने शुरुआत में मोइज की जगह सेनन को राष्ट्रपति बनाने की योजना बनाई थी। उन्होंने बताया कि सेनन ने साजिश के लिए धन जुटाने में मदद की थी। इसके अलावा उसने अपने और अन्य लोगों के हैती जाने और वहां ठहरने की व्यवस्था भी की थी। सेनन ने कोर्ट में स्वीकार किया कि वह एक समय मोइज को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहे लोगों के संपर्क में था। हालांकि, उसने दावा किया कि हत्या से काफी पहले ही उस समूह ने राष्ट्रपति पद के लिए किसी अन्य व्यक्ति को चुन लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक सेनन ने मोइज की हत्या की किसी भी योजना की जानकारी होने से इनकार किया। सेनन का जन्म हैती में हुआ था और वह किशोरावस्था में अमेरिका आ गया था।

शेनझेन में जुटान- ट्रंप, शी और पुतिन क्या बदलेंगे वैश्विक समीकरण

वॉशिंगटन। दुनिया की राजनीति और कूटनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के दक्षिणी हिस्से में स्थित हाई-टेक शहर शेनझेन पहुंचे हैं। पद पर रहते हुए शेनझेन का दौरा करने वाले वह अमेरिका के पहले राष्ट्रपति बन गए हैं। वे यहां 33वें एपेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं, जिसकी मेजबानी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की है और इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित दुनिया भर के प्रमुख नेता शामिल हुए हैं।चीन की मिरैकल सिटी और सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में लगभग चार दशक पहले तक सिर्फ मछुआरों का एक गुमनाम गांव था। आज यह दुनिया के शीर्ष अरबपतियों और दिग्गज टेक कंपनियों का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। डोनाल्ड ट्रंप के विमान के शेनझेन में उतरने पर उनका भव्य स्वागत किया गया, जिसे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक बड़े और सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। अब वैश्विक समुदाय की निगाहें उस बंद कमरे की वार्ता पर टिकी हैं, जहां डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन एक साथ चर्चा में शामिल होंगे। माना जा रहा है कि इस वार्ता में मध्य पूर्व के संकट और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे ज्वलंत वैश्विक मुद्दों पर गंभीर मंथन होगा।

जेपी मॉर्गन चेज के ग्राहकों का डेटा लीक, अमेरिका में तकनीकी समस्याओं की श्रृंखला



वाशिंगटन। अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों में से एक, जेपी मॉर्गन चेज के हजारों ग्राहकों की निजी जानकारी साइबर हमले के बाद इंटरनेट पर लीक हुई है। यह हमला बैंक के लिए काम करने वाली कुछ बाहरी सेवा प्रदाता कंपनियों (थर्ड-पार्टी वेंडर्स) को निशाना बनाकर हुआ था। हालांकि, बैंक प्रशासन ने ग्राहकों को आश्वस्त कर स्पष्ट किया है कि लीक हुई जानकारी में क्रेडिट कार्ड या बैंक खाते से जुड़ी कोई भी अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी शामिल नहीं है। लीक हुए डेटा में मुख्य रूप से चेज बैंक के ग्राहकों और कुछ कर्मचारियों के ईमेल पते शामिल हैं, और कुछ मामलों में उनके फोन नंबर भी सार्वजनिक हुए हैं। बैंक के प्रवक्ता जो एवेंजेलिस्टी ने पुष्टि की कि उन्हें जानकारी मिली है कि बैंक को सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ बाहरी कंपनियों पर साइबर हमले हुए हैं। उन्होंने कहा, अब तक की जांच के आधार पर हमारा मानना है कि हमलावरों ने इन कंपनियों के पास मौजूद मार्केटिंग से संबंधित कुछ डेटा तक पहुँच हासिल कर ली। इसमें कुछ ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं। इस घटना की पुष्टि वीजा और मास्टरकार्ड ने भी की है, जिन्होंने स्पष्ट किया कि साइबर हमले से उनके कामकाज या ग्राहकों की भुगतान संबंधी जानकारी पर कोई असर नहीं पड़ा है। प्रभावित खातों की संख्या हजारों में है, जो चेज़ बैंक के कुल ग्राहक आधार का एक बहुत छोटा हिस्सा है, जिसके करोड़ों ग्राहक हैं। वहीं, मास्टरकार्ड के प्रवक्ता ने बताया कि डेटा लीक की घटना पर फिलहाल काबू पा लिया गया है और उनकी टीमें जरूरत पड़ने पर प्रभावित कार्डधारकों की सहायता कर रही हैं।

जेपी मॉर्गन चेज ने साफ किया है कि यह साइबर हमला इस सप्ताह की शुरुआत में उसकी बैंकिंग सेवाओं में आई तकनीकी खराबी से पूरी तरह से अलग घटना है। उस समय बैंक की आंतरिक सॉफ्टवेयर प्रणाली में आई खराबी के कारण कुछ सेवाएं बाधित हुई थीं। हालांकि, यह ताजा साइबर हमला वैश्विक स्तर पर हाल के दिनों में सामने आई डिजिटल और तकनीकी समस्याओं की श्रृंखला में एक कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में, वैश्विक स्तर पर तकनीकी गड़बड़ियों के कारण कई प्रमुख विमान सेवाओं का संचालन रोकना पड़ा था, वहीं दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की बुनियादी ईमेल और क्लाउड सेवाएं भी बुरी तरह बाधित हुई थीं। यह घटना अमेरिका में महत्वपूर्ण प्रणालियों पर बढ़ते साइबर खतरों और तकनीकी निर्भरता की चुनौतियों को उजागर करती है। हालांकि, जेपी मॉर्गन चेज़ के मामले में संवेदनशील वित्तीय जानकारी सुरक्षित बताई गई है, पर यह लगातार हो रही तकनीकी बाधाएं डिजिटल सुरक्षा पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर देती हैं।

न्यूयॉर्क में हैदराबाद के दो भाइयों के बीच खूनी हादसा

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में दुखद घटना में, हैदराबाद के दो भाइयों में से छोटे भाई की गोली लगने से मौत हो गई। यह हादसा 14 नवंबर की रात हिक्सविले इलाके में हुआ। मृतक 24 वर्षीय मोहम्मद इब्राहिम अहमद था, जबकि उसके 27 वर्षीय बड़े भाई मोहम्मद बशीर अहमद को मामले में गिरफ्तार किया है। दोनों मूल रूप से हैदराबाद निवासी है। पुलिस के अनुसार, रात करीब 12:01 बजे एक कार के भीतर इब्राहिम को पीठ में गोली लगी अवस्था में पाया गया। इसके बाद तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इब्राहिम को मृत घोषित कर दिया। जांचकर्ताओं का मानना है कि दोनों भाई कार में मौजूद थे जब बशीर की पिस्तौल से कथित तौर पर गलती से गोली चल गई। पुलिस ने बशीर पर गैर इरादतन हत्या (सेकंड डिग्री मैन्स्लॉटर) और अवैध तरीके से हथियार रखने का आरोप लगाया है। बशीर ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया और फिलहाल हिरासत में है। मृतक इब्राहिम लॉन्ग आइलैंड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहा था। इस दुखद घटना के बाद, परिवार के रिश्तेदारों ने इब्राहिम के माता-पिता, मोहम्मद जहांगीर साहेब और अरजुमन नजीर को बेटे के अंतिम समय में अमेरिका लाने के लिए ऑनलाइन फंडरेजर शुरू किया है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के इशारे पर हूतियों ने सऊदी को घेरा, होर्मुज में तेज किए हमले

तेहरान। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव की आंच तेजी से फैल रही है, जहां अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब सिर्फ सीधा युद्ध नहीं रहा, बल्कि प्रॉक्सी मोर्चों पर भी लड़ा जा रहा है। हालिया घटनाओं से साफ है कि यह संघर्ष अब इजरायल या अमेरिका तक सीमित न रहकर उन देशों और ठिकानों तक भी पहुंच रहा है, जिन्हें अमेरिका अपने सुरक्षा नेटवर्क का अहम हिस्सा मानता है। ईरान समर्थित माने जाने वाले यमन के हूती विद्रोहियों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए 18 नवंबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद को निशाना बनाने का दावा किया। हूतियों के सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के फाइनेंशियल सेंटर को बड़ी संख्या में क्रूज मिसाइलों से सटीक निशाना बनाया गया। इसे यमन में सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई का जवाब बताया गया। हालांकि, सऊदी अरब ने इन ठिकानों पर किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं की, बल्कि दावा किया कि उसने रियाद की तरफ आ रही हूतियों की क्रूज मिसाइलों को रोककर नष्ट कर दिया। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने भी यमन में हूतियों के 60 सैन्य ठिकानों को तबाह करने का दावा किया है, जिससे दोनों तरफ से धुआंधार हमले जारी हैं। इसी बीच, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से एक और चिंताजनक खबर आई है। मिली जानकारी के अनुसार, ओमान के खासाब इलाके के उत्तर में एक टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। हमले के बाद जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और एक कर्मचारी के लापता होने की खबर आई, हालांकि आग बुझा दी गई। इन लगातार होने वाले हमलों के पीछे ईरान सीधे तौर पर जिम्मेदारी नहीं लेता, लेकिन जानकारों का मानना है कि ईरान ने कुछ रूट को छोड़कर बाकी क्षेत्रों को प्रतिबंधित जोन घोषित कर रखा है, जहां जहाजों को बारूदी सुरंगों से निशाना बनाया जा सकता है। होर्मुज में ऐसी घटनाएं अंतरराष्ट्रीय तेल व्यापार और समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन रही हैं। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी, सहयोगी देशों की रक्षा व्यवस्था और समुद्री व्यापार की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई है।

जापान में आया 5.7 तीव्रता का भूकंप, प्रशासन लोगों को सतर्क रहने को कहा

टोक्यो। दक्षिण-पश्चिमी जापान के कुमामोटो प्रान्त में शुक्रवार सुबह धरती फिर कांप उठी, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.7 दर्ज की गई। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अगले एक सप्ताह तक लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि आशंका है कि इसी स्तर का एक और भूकंप आ सकता है। झटकों की निरंतरता को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को पहले से ही सतर्क रहने की चेतावनी दी है। इस बार भी कोई सुनामी की वॉर्निंग जारी नहीं की गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप स्थानीय समयानुसार गुरुवार-शुक्रवार देर रात 2 बजकर 22 मिनट पर आया। इसका केंद्र कुमामोटो के अमाकुसा-अशिकीता क्षेत्र में जमीन से महज 10 किलोमीटर नीचे था, जिसके कारण आसपास के इलाकों में तेज कंपन महसूस किया गया। जापान के सात स्तर वाले भूकंप तीव्रता पैमाने पर कुछ क्षेत्रों में इसकी तीव्रता लोअर-5 दर्ज की गई। भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से कई कदम उठाए। मिनामाता और कुमा के प्रशासन ने कुछ इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए। वहीं, रेलवे सेवाओं पर भी इसका असर पड़ा, जिससे 8 ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं। इस फैसले से करीब 5,600 यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। भूकंप के झटके केवल क्यूशू द्वीप तक सीमित नहीं रहे, बल्कि शिकोकू और होन्शू के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक कुमामोटो में आए इस भूकंप ने लोगों को जुलाई में आई विनाशकारी आपदा की याद दिला दी। 28 जुलाई को इसी प्रान्त में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 30 से ज्यादा जानें चली गई थीं और बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। इसके अलावा अगस्त में टोक्यो के उत्तर-पूर्व में स्थित इबाराकी प्रान्त में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 37 लोग घायल हुए थे। मौजूदा 5.7 तीव्रता का भूकंप अगस्त के बाद जापान में 5 या उससे ज्यादा तीव्रता वाला पहला झटका बताया है, जिससे लोग अगले एक हफ्ते के लिए हाई अलर्ट पर हैं।

सीआईएसए नॉमिनी ने 6 जनवरी की घटना को हमला मानने से किया इंकार

वाशिंगटन । अमेरिका में साइबर सुरक्षा एवं बुनियादी ढांचा सुरक्षा एजेंसी (सीआईएसए) के प्रमुख पद के लिए नामित माइकल लोसापियो ने सीनेट में अपनी पुष्टि संबंधी सुनवाई के दौरान 6 जनवरी, 2021 को संसद भवन परिसर में हुई हिंसा को हमला मानने से इंकार किया है। कनेक्टिकट के डेमोक्रेटिक सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल के सवालों का जवाब देकर लोसापियो ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह हमला था। मैं राजनीति में शामिल नहीं था। मैंने खबरों में जो देखा, उसी के आधार पर जानता हूं। उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया जानने के लिए व्हाइट हाउस से संपर्क किया गया, लेकिन उसने तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। लोसापियो ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के विजेता के बारे में भी कुछ कहने से इंकार कर दिया। पूर्व और वर्तमान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार यह झूठा दावा करते रहे हैं कि उन्होंने यह चुनाव जीता था, जबकि परिणामों में जो बाइडन को जीत मिली थी। लोसापियो ने कहा कि वह दो साल पुराने चुनाव पर जवाब नहीं देना चाहते और बताया कि उस चुनाव में उनकी एकमात्र भूमिका ट्रंप को वोट देना थी। सीआईएसए, जिसकी स्थापना 2018 में हुई थी और जो गृह सुरक्षा विभाग के अधीन काम करती है, देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे जैसे बांधों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों, बैंकों और मतदान प्रणालियों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। एजेंसी के पहले निदेशक क्रिस क्रेब्स को ट्रंप ने 2020 के चुनाव को अमेरिकी इतिहास का सबसे सुरक्षित चुनाव बताने वाले अधिकारियों के बयान का समर्थन करने के बाद पद से हटा दिया था। यह एजेंसी लगभग दो वर्षों से सीनेट की मंजूरी प्राप्त स्थायी प्रमुख के बिना काम कर रही है।

शिकागो मंदिर हमले की साजिश: आरोपी ने खुद को बताया बेकसूर

वाशिंगटन। अमेरिका के शिकागो के पास एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की साजिश रचने के आरोपी 19 वर्षीय एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस ने अदालत में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को स्वीकार करने से इंकार कर खुद को निर्दोष बताया है। रिपोर्टों के अनुसार, ऑरोरा, इलिनॉय स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर पर हमले की नाकाम कोशिश के मामले में उस पर आतंकवादी धमकी देने और हथियार के गैरकानूनी इस्तेमाल सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। शुरुआत में दो आरोपों के साथ अभियोग लगाया गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने आतंकवाद, आतंकवादी धमकी देने, सशस्त्र हिंसा और आतंकवादी हमले की कोशिश जैसे कई अतिरिक्त आरोपों की घोषणा की। कुक काउंटी की ग्रैंड जूरी ने पापोराकिस के खिलाफ आतंकवाद के छह, आतंकवादी धमकी के दस और सशस्त्र हिंसा के दो आरोपों सहित कुल बीस से अधिक गंभीर आरोप तय किए हैं। अधिकारियों का आरोप है कि पापोराकिस ने 11 अक्टूबर को नवरात्र के पहले दिन हिंदू मंदिर पर हमला करने की योजना बनाई थी। हालांकि, उसकी यह योजना विफल हो गई क्योंकि वह जो बंदूक लाया था, वह जाम हो गई और उससे गोली नहीं चल सकी। उसे तब पकड़ा गया जब टैको बेल रेस्तरां में उसके साथ काम करने वाले सहकर्मियों ने अधिकारियों को बताया कि उसने भारतीय लोगों की हत्या करने की अपनी योजना के बारे में उनसे बात की थी। पुलिस के मुताबिक, इलिनॉय के पैलेटाइन का निवासी पापोराकिस खुद को श्वेत वर्चस्ववादी और नव-नाजी बताता है। उसने एक दस्तावेज भी लिखा था जिसमें गैर-श्वेत लोगों की हत्या करने की अपनी कल्पनाओं का विस्तार से जिक्र किया था। उसके घर से एक राइफल, गोला-बारूद, सामरिक सुरक्षा जैकेट और श्वेत वर्चस्ववादी चरमपंथ से जुड़े प्रतीक चिन्ह बरामद किए गए हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 21 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

यशस्वी और राहुल की शतकीय साझेदारी से भारतीय टीम ने बनाये एक विकेट पर 159 रन



न्यूजीलैंड पहली पारी 368 रन

वेलिंगटन। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के बीच हुई शतकीय साझेदारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में एक विकट पर 159 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर खेल रहे थे। आउट होने वाले एकमात्र बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल रहे। यशस्वी ने 89 गेंदों पर 16 चौकों की मदद से 85 रन बनाये पर वह अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। यशस्वी मैट हैनरी का शिकार बने। यशस्वी की राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 130 रनों की साझेदारी हुई थी। यशस्वी के आउट होने के बाद उतरे पडिक्कल ने 35 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 16 रन बना लिए थे। उनकी राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी हुई है। वहीं इससे पहले मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 368 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबान टीम अब भी भारतीय टीम से 209 रन आगे हैं। ऐसे में उसका प्रयास तीसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों को जल्द से जल्द आउट कर दबाव बनाना रहेगा। दूसरे दिन की शुरुआत न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन से की थी। निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स ने 94 रनों से आगे खेलना शुरु किया। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। वह 216 गेंदों पर 118 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। फिलिप्स और निकोलस के बीच छठे विकेट के लिए 216 रन की साझेदारी हुई। फिलिप्स के आउट होने के निकोलस ने नाथन स्मिथ के साथ सातवें विकेट के लिए 32 रन जोड़े। नाथन 14 रन बनाकर आउट हुए। निकोल्स ने इसके बाद काइल जैमिसन के साथ पारी आगे बढ़ायी। जैमिसन 11 रन बनाकर आउट हुए। उनकी निकोल्स के साथ आठवें विकेट के लिए 25 रनों की जबकि जैकब डफी 4 के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी हुई। इससे कीवी टीम 368 रनों तक पहुंची। निकोलस अंत तक टिके रहे और 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। वहीं आकाशदीप सिंह ने 3 विकेट, अंशुल कंबोज ने 2 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट लिया।

बुमराह सेना देशों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बने

वैलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में चार विकेट लेकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह अब सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में तीन या उससे अधिक विकेट लेने के मामले में सभी एशियाई गेंदबाजों से आगे निकल गये हैं। भले ही बुमराह एक विकेट की कमी से पांच विकेट नहीं ले पाये पर सेना देशों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज जरुर बन गये। बुमराह ने अब तक सेना देशों में खेली गई कुल 65 टेस्ट पारियों में 31 बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया है। यह आंकड़ा उन्हें इस विशेष श्रेणी में किसी भी अन्य एशियाई गेंदबाज से काफी आगे रखता है। इस खास उपलब्धि के साथ ही बुमराह ने कई दिग्गज एशियाई गेंदबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम हैं, जिन्होंने अपनी 55 पारियों में 27 बार तीन या उससे अधिक विकेट लिए थे। वहीं भारतीय टीम के पूर्व लेग स्पिनर अनिल कुंबले 67 पारियों में 23 बार तीन विकेट लेकर तीसरे पायदान पर हैं। वहीं, श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन ने सिर्फ 34 पारियों में 23 बार यह कारनामा किया है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 92 रन देकर 4 विकेट लिए। 3.20 के इकॉनमी रेट के साथ, वह भारत के लिए इस पारी के सबसे सफल गेंदबाज रहे। वहीं अगर बुमराह इस पारी में एक और विकेट लेने में सफल रहते तो वह एक असाधारण रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते थे। इससे वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (सेना) जैसे देशों में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट हॉल लेने वाले पहले एशियाई तेज गेंदबाज बन जाते। उन्होंने पहले ही दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में यह कारनामा किया हुआ था पर न्यूजीलैंड में वह पांच विकेट लेने से रह गये।

महिला बिग बैश में लॉरा हैरिस की पारी से सिडनी थंडर जीती

सिडनी। लॉरा हैरिस की आक्रामक अर्धशतकीय पारी से सिडनी थंडर ने महिला बिग बैश लीग (डब्लबीबीएल) में ब्रिसबेन हीट को एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए सिडनी थंडर ने सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने का नया कीर्तिमान स्थापित। वहीं ब्रिसबेल हीट की ओर से खेलते हुए लॉरा हैरिस की बहन ग्रेस का तूफानी शतक बेकार गया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रिसबेन हीट ने ग्रेस की आक्रामक पारी से 3 विकेट के नुकसान पर 225 रन बनाये। ग्रेस ने केवल 54 गेंदों पर ही 121 रन बनाये। जिसमें 14 चौके और 7 छक्के शामिल थे। यह ग्रेस का लीग में चौथा शतक था और उनकी इस पारी से टीम 200 रनों से अधिक बनाने में सफल रही। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए सिडनी थंडर ने इस असंभव से लक्ष्य को हासिल कर लिया। टीम ने 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर 4 विकेट खोकर 226 रन बनाकर इतिहास रच दिया, जो महिला बिग बैश के इतिहास का लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ा स्कोर है। इसमें लॉरा हैरिस की मुख्य भूमिका रही। लॉरा ने इस मैच में केवल 15 गेंदों पर ही सबसे तेज अर्धशतक लगाया। इससे पहले का रिकार्ड मेलबर्न स्टार्स की टेस फ्लिंटॉफ के नाम 16 गेंद पर अर्धशतक का है।लॉरा ने अपनी 20 गेंदों की अविश्वसनीय पारी में 7 चौके और 5 छक्के जड़ते हुए नाबाद 63 रन बनाए। उनकी यह विस्फोटक बल्लेबाजी ऐसे समय में आई जब सिडनी थंडर को जीत के लिए प्रति ओवर 15 से अधिक रनों की आवश्यकता थी, और उन्होंने यह मुश्किल लक्ष्य चार गेंद शेष रहते ही हासिल करवा दिया। उनकी इस निर्णायक पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। सिडनी थंडर के लिए अनिका लियरॉयड ने भी नाबाद 60 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि हीथर नाइट ने 44 रन जोड़कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

तीन दशक बाद न्यूजीलैंड में भारतीय सलामी जोड़ी ने शतकीय साझेदारी बनायी

वेलिंगटन। भारत के यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शतकीय साझेदारी कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस जोड़ी ने भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत देने के साथ ही तीन दशक के बाद न्यूजीलैंड में पारी की शुरुआत करते हुए शतकीय साझेदारी बनायी है। इससे पहले आखिरी बार साल 1994 में नयन मोंगिया और नवजोत सिंह सिद्धू की सलामी जोड़ी ने न्यूजीलैंड की धरती पर शतकीय साझेदारी की थी। उसके बाद से ही किसी भी भारतीय सलामी जोड़ी ने यह उपलब्धि हासिली नहीं की थी पर अब राहुल और यशस्वी की जोड़ी ने इस लंबे इंतजार को खत्म करते हुए इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। विदेशी धरती पर, खासकर सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) में सलामी बल्लेबाजों से मिली मजबूत शुरुआत किसी भी टीम के लिए हमेशा अहम होती है, और इस प्रदर्शन से भारतीय खेमे को उत्साह का माहौल है। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज दो साल बाद कोई शतकीय साझेदारी बना पाये हैं।पिछले दो सालों से सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदल नहीं पा रहे थे। यशस्वी और राहुल की यह साझेदारी पिछले 17 टेस्ट (30 पारियों) में भारत की ओर से पारी की शुरुआत के बाद आई है। इससे पहले नवंबर 2022 में पर्थ में इन्हीं दोनों खिलाड़ियों के बीच 201 रनों की साझेदारी हुई थी यह साझेदारी भारतीय क्रिकेट के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले 15 सालों में सेना देशों में भारतीय सलामी जोड़ी ने केवल चार बार 100 से अधिक रनों की साझेदारी की है। खास बात यह है कि राहुल इन सभी चारों ऐतिहासिक साझेदारियों का हिस्सा रहे हैं, जो उनकी निरंतरता और अनुभव को दिखाता है। ये चार साझेदारियां इस प्रकार हैं। लॉर्ड्स में रोहित शर्मा/केएल राहुल, सेंचुरियन में मयंक अग्रवाल/केएल राहुल, पर्थ में यशस्वी जायसवाल/केएल राहुल और अब वेलिंगटन में यशस्वी जायसवाल/केएल राहुल। वहीं साल 2000 के बाद से ही सेना देशों में भारतीय सलामी बल्लेबाजों के बीच कुल 9 बार शतकीय साझेदारियां हुई हैं, जिनमें यह नवीनतम उपलब्धि भी शामिल है।

खरगोन ने झबुआ को 7 विकेट से हराया



दो दिवसीय संभागीय अंतर जिला क्रिकेट स्पर्धा के दूसरे दिन का मैच

खरगोन। खरगोन में संभागीय सीनियर इंटरनैशनल डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट स्पर्धा के दूसरे दिन का मैच स्टेडियम ग्राउंड पर खरगोन विरुद्ध झाबुआ के बीच खेला गया जिसमें खरगोन ने टॉस जीत कर झाबुआ को बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया झाबुआ की टीम ने पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए 37 ओवर में 10 विकेट पर 112 रन बनाकर ऑल आउट हो गई झाबुआ के बल्लेबाज अमन पथका ने 33 रन बनाए, खरगोन की और से गब्बू सराफ ने 4 विकेट लिए, झाबुआ टीम के 112 रंग के ज़बाब में खरगोन टीम ने10 ओवर म3 177 रन बना के अल आउट हो गई खरगोन ने 65 रन की बढ़त झाबुआ पर बना ली ,जिसमें , खरगोन की और से राहुल यादव ने 41 रन बनाए और झाबुआ कि और से आदिया त्रिपाठी ने 6 विकेट लिए झाबुआ ने दूसरी पारी 44 ओवर में 10 विकेट पर 136 रन पर ऑल आउट , झाबुआ की और से आदित्य त्रिपाठी ने 52 रन बनाए और खरगोन की और से विनोद किराडे ने 4 विकेट खरगोन के सामने का 72 रन का जीत का लक्ष्य था खरगोन ने तीन विकेट पर 75 रन 10 ओवर /3 वाल में बना कर जीत दर्ज कर ली हैं खरगोन के पार्थ परजापत ने 37 रन बनाए और खरगोन ने यह मैच 7 विकेट से जीत लिया हैं।



लास वेगास के नवेडा में फार्मुला वन रेस एफ1 के अभ्यास सत्र में भाग लेते हुए मर्सिडीज के जॉर्ज रुसल।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

मॉरीशस निवेशक के एमएफ यूनिट बिक्री पर भारत में टैक्स नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मॉरीशस स्थित निवेशकों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुए मुनाफे पर भारत में टैक्स नहीं लगाने का स्पष्टीकरण दिया है। यह फैसला इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स को 593.48 करोड़ रुपए के टैक्स विवाद में बड़ी राहत देता है, जिससे भारत-मॉरीशस दोहरे कराधान से बचाव समझौते (डीटीएए) के तहत कर छूट के दावे को बल मिला है। अदालत ने आयकर विभाग की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुई कमाई को अंतर्निहित भारतीय कंपनियों के शेयरों की बिक्री से प्राप्त लाभ माना जा रहा था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निवेशक केवल म्यूचुअल फंड की यूनिट का मालिक होता है, न कि फंड के जरिए खरीदे गए शेयरों का। इसलिए यूनिटधारक सीधे तौर पर किसी कंपनी का शेयरधारक नहीं होता। यह मामला मॉरीशस स्थित इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स से संबंधित था, जिसने आकलन वर्ष 2022-23 में इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट बेचकर 593.48 करोड़ रुपए का पूंजीगत लाभ कमाया था। आयकर विभाग का तर्क था कि फंड की 65 फीसदी से अधिक संपत्ति भारतीय शेयरों में निवेशित थी, इसलिए पूरी कमाई भारत में कर योग्य होनी चाहिए। विवाद समाधान पैनल ने भी इस तर्क का समर्थन किया था। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट ने निचले न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखते हुए निवेशकों के पक्ष में निर्णय दिया। यह फैसला भारत-मॉरीशस डीटीएए के तहत प्रत्यक्ष शेयर निवेश और म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश के बीच के अंतर को स्पष्ट करता है, जो विदेशी निवेशकों के लिए एक अहम मिसाल है।

एआई निवेश की चिंता ने गिराए एशियाई टेक शेयर

नई दिल्ली। एशियाई टेक और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली। जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान की कई दिग्गज कंपनियों, जिनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टबैंक शामिल हैं, के शेयर 17 फीसदी तक लुढ़क गए। यह गिरावट एआई कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश के भविष्य में संभावित मुनाफे को लेकर निवेशकों की बढ़ती चिंता का परिणाम है, जबकि हाल ही में एआई फर्म एंथ्रोपिक का आईपीओ रिकॉर्डतोड़ सफल रहा था। बाजार के जानकारों का मानना है कि निवेशकों को संदेह है कि एआई पर कंपनियों द्वारा खर्च की जा रही भारी रकम भविष्य में कितना मुनाफा देगी। एंथ्रोपिक के शानदार आईपीओ के बावजूद यह चिंता दूर नहीं हुई। पिछले कई महीनों से एआई कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन और बढ़ते खर्च को लेकर बाजार में चिंता बनी हुई है। इस बिकवाली के चलते चिप टेस्टिंग उपकरण बनाने वाली जापानी कंपनी एडवांटेस्ट के शेयर 12 फीसदी गिरे, वहीं सॉफ्टबैंक ग्रुप का शेयर 17 फीसदी तक टूट गया। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स अप्रैल के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया में मेमोरी चिप बनाने वाली एसके हाइनिक्स और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। ताइवान में भी, शॉर्ट सेलिंग पर पाबंदियों के बावजूद, टीएसएमसी और मीडियाटेक के शेयरों में गिरावट जारी रही। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद नियमों में संभावित बदलाव और एक बड़ी वैश्विक चिप कंपनी से वरिष्ठ अधिकारी के अचानक हटने से भी एआई सेक्टर को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। निवेशक अब एआई कंपनियों की केवल बिक्री वृद्धि नहीं, बल्कि कमाई के मुकाबले खर्च के अनुपात को भी बारीकी से देख रहे हैं। यह सब मिलकर निवेशकों में जरूरत से ज्यादा बुनियादी ढांचे पर खर्च और निवेश पर रिटर्न को लेकर चिंता पैदा कर रहा है।

यूएनओ बैंक कंगाल, नेताओं की सिफारिश पर खास लोगों को बांटे अंधाधुंध कर्ज

बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित, देश में मचा वित्तीय हड़कंप



पराग्वे। यूएनओ बैंक, जो कभी सबसे तेजी से उभरते हुए वित्तीय संस्थानों में से एक था, अब डूब गया है। बैंक ने कथित तौर पर नेताओं की सिफारिश पर अपने ही समूह की कंपनियों और खास लोगों को अंधाधुंध कर्ज बांटे। इस वित्तीय संकट के कारण बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित हुए, जिनकी हजारों करोड़ रुपए की जमा पूंजी अब खतरे में है। पराग्वे सरकार ने इस नुकसान की भरपाई को बहुत मुश्किल बताया है, जिससे पूरे देश में वित्तीय हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएनओ बैंक ने एक फिनटेक स्टार्टअप के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के जरिए तेजी से लोकप्रियता हासिल की। मोबाइल ऐप, कैशबैक और अन्य आकर्षक प्रस्तावों ने इसे चंद सालों में पराग्वे की 64 लाख की आबादी में से 30 लाख ग्राहक बनाने में मदद की। बैंक ने पराग्वे की फुटबॉल टीम को भी प्रायोजित किया और कई स्टेडियमों से जुड़ा, जिससे इसकी छवि और मजबूत हुई। हालांकि, इस बाहरी चमक के पीछे, बैंक अंदरूनी तौर पर खोखला होता चला गया। आरोप है कि बैंक ने केवल उन्हीं कमजोर कंपनियों को कर्ज दिए जिनके उसके मालिकों या राजनीतिक हस्तियों से संबंध थे, जिससे संकट की शुरुआत हुई। यह भी आरोप है कि बैंक ने अपनी बैलेंस शीट में वास्तविक वित्तीय स्थिति को छिपाया और कुछ खर्चों को गलत तरीके से संपत्ति के रूप में दिखाया। जांच में तत्कालीन राष्ट्रपति की एक संपत्ति पर छापेमारी में एक तिजोरी भी मिली। इस बैंक में केवल आम लोगों का ही नहीं, बल्कि राज्य के पेंशन और हेल्थ फंड समेत करीब 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा का सार्वजनिक धन भी जमा था, जिससे संकट और गहरा गया। आमतौर पर ऐसे मामलों में केंद्रीय बैंक तुरंत हस्तक्षेप करता है, लेकिन जानकारों के मुताबिक पराग्वे के केंद्रीय बैंक ने इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की। रिपोर्टों में दावा किया गया कि कुछ अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका गया था और ये आदेश तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख की ओर से आते थे। विवाद बढ़ने के बाद, तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख को इस्तीफा देना पड़ा। नए केंद्रीय बैंक प्रमुख ने बताया कि पांच दिनों से भी कम समय में करीब 18.12 लाख लोगों के खाते दूसरे बैंकों में स्थानांतरित किए गए और जमा राशि के भुगतान के लिए डिपॉजिट गारंटी फंड का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक के डूबने से एक अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई असंभव है।

फ्लिपकार्ट सेल समय बदलाव से वॉलमार्ट की तीसरी तिमाही में आय प्रभावित

नई दिल्ली। अमेरिकी खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने हाल ही में घोषणा की है कि उसकी तीसरी तिमाही की राजस्व वृद्धि पर एक प्रतिशत का नकारात्मक असर पड़ा है। इसकी मुख्य वजह उसकी भारतीय ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट की प्रमुख बिग बिलियन डेज (बीबीडी) बिक्री आयोजन का समय बदलना है, जो इस साल चौथी तिमाही में चला गया है। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में स्पष्ट किया कि पिछले साल की तुलना में फ्लिपकार्ट की 11-दिवसीय बिग बिलियन डेज बिक्री का समय बदलने से यह प्रभाव पड़ा। जहां तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि नकारात्मक रूप से प्रभावित हुई, वहीं चौथी तिमाही में इसका अपेक्षित लाभ मिलने की उम्मीद है। वॉलमार्ट इंक के एक अ?धिकारी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लिपकार्ट के बीबीडी आयोजन के समय में बदलाव के कारण उन्हें तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि में एक फीसदी की कमी का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस आय को इस साल अंतरराष्ट्रीय खंड की चौथी तिमाही के नतीजों में दर्ज किया जाएगा। यह बदलाव दर्शाता है कि त्योहारी बिक्री के समय का बड़े खुदरा खिलाड़ियों की आय पर कितना गहरा असर पड़ता है। खबरों के मुताबिक, 9 अक्टूबर को शुरू हुए बिग बिलियन डेज के 13वें संस्करण में ऑर्डर, इकाइयों और खरीदारों की संख्या में सालाना आधार पर 20 से 22 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो चौथी तिमाही के लिए मजबूत आय का संकेत है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 पर खुला

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की मजबूत लिवाली और प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के कमजोर पड़ने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बावजूद स्थानीय मुद्रा ने मजबूती दिखाई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 पर खुला और फिर बढ़त हासिल करते हुए 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की मजबूती दर्शाता है।

उद्योग को मोदी की खरी-खरी, कंफर्ट जोन छोड़ो, आत्मनिर्भर बनो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिक्की की वार्षिक आम बैठक में भारतीय उद्योग जगत पर तीखे सवाल दागे। उन्होंने भारतीय कंपनियों द्वारा देश के विशाल घरेलू बाजार को कंफर्ट जोन मानने, दवा और धातु जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आयात पर अत्यधिक निर्भरता, तथा अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने में विफलता पर कड़ी नाराजगी जताई। मोदी ने सीधे पूछा कि 2019 में कॉरपोरेट कर दरों में 30 से 22 फीसदी की कटौती और आयकर छूट जैसे सरकारी प्रोत्साहन के बावजूद उद्योग ने कर्मचारियों की संख्या और वेतन क्यों नहीं बढ़ाया। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत की भूख कभी शांत नहीं होती। इस संबंध में, एक निवेशक ने सोशल मीडिया पर उल्लेख किया कि जहां सीईओ और निदेशक मंडल के वेतन में भारी बढ़ोतरी हुई है, वहीं पिछले 10 वर्षों में शुरुआती वेतन महंगाई दर से थोड़ा ही अधिक बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने उद्योग से संतुष्टि का भाव छोड़कर वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए क्षमता विकसित करने और उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इंडिया फर्स्ट को अपने दीर्घकालिक निवेश निर्णयों का आधार बनाने, भविष्य की राष्ट्रीय व वैश्विक मांगों के लिए तैयार रहने, नए मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने और कृषि व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश बढ़ाने का भी आह्वान किया।



पश्चिम बंगाल सरकार की 'सारथी' योजना के तहत स्कूली विद्यार्थियों को वितरित की जाने वाली साइकिलों को मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में वाहन से पहुंचाया गया।

ट्रूआरई ओरियाना पावर पांच सीबीजी संयंत्रों में 750 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी ट्रूआरई ओरियाना पावर लिमिटेड ने जैव ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है। कंपनी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में 750 करोड़ रुपये के निवेश से पांच नए कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इन संयंत्रों की संयुक्त उत्पादन क्षमता 110 टन प्रतिदिन होगी और इनके अगले दो वर्षों के भीतर चालू होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं को सरकार की गोबर-धन पहल के तहत पंजीकृत और अनुमोदित किया गया है। यह निवेश ट्रूआरई ओरियाना के सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण से आगे बढ़कर वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में कदम रखने का प्रतीक है। कंपनी का यह कदम भारत के ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने, घरेलू ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्य में भी योगदान देगा। ट्रूआरई ओरियाना पावर के एक अ?धिकारी ने बताया कि कंपनी हरित हाइड्रोजन, अमोनिया और सीबीजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को उच्च क्षमता वाले उभरते अवसरों के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि इन पांच संयंत्रों की स्थापना हरित ईंधन में एक मजबूत फुटहोल्ड बनाने की उनकी रणनीति का हिस्सा है, और भविष्य में कंपनी अपनी कुल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए रणनीतिक निवेश जारी रखेगी। गौरतलब है कि कंपनी इससे पहले उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में 21-21 टन प्रतिदिन क्षमता वाली दो सीबीजी परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी कर चुकी है, जो जैव ऊर्जा क्षेत्र में उसकी विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 21 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

भारत में विचारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और यह हमारी खूबी भी : मुख्यमंत्री यादव

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर में यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 में युवाओं से किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज से श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा से जाग गए हैं। युवा ही देश और समाज में परिवर्तन लाते हैं। यह समय सबके जागने और समाज को जगाने का भी है। देवोत्थान एकादशी पर हम सभी नए विचारों, नए संकल्पों के साथ जागृत हों। हमें अपने भविष्य की चुनौतियों से मुकाबले के लिए भी तैयार होना होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव शुक्रवार को ग्वालियर में यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 समारोह में युवाओं से संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यंग थिंकर्स एवं सुधिजनों को देवोत्थान एकादशी (तुलसी विवाह) की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के दौर में भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यह हमारी पूंजी भी है, लेकिन युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस्ड होने और प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने के लिए खुद को योग्य बनाना होगा। इसके लिए युवाओं को सही दिशा दिखाने की आवश्यकता है। यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस-2026 का उद्देश्य भी यही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तीन दिवसीय आयोजन में भारतीय ज्ञान परम्परा, दर्शन सहित 300 से अधिक विषयों पर वैचारिक मंथन होगा। उन्होंने कहा कि भारत ही दुनिया में एकमात्र देश है,जो हर तरह के विचारों और धारणाओं का स्वागत करता है। यहां विचारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है और यह हमारी खूबी भी है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने तीन दिवसीय थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस-2026 की सराहना करते हुए कहा कि देश भर से पंजीयन और चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 300 युवाओं के विचारों का यह संकलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करेगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने ग्वालियर के लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में तीन दिवसीय यंग थिंकर्स कन्फ्लुअंस- 2026 के आठवें संस्करण का शुभारंभ किया।

हमारे देवालय,आस्था के अलावा शिल्प कला के अद्भुत उदाहरण



भोपाल। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि हमारे देवालय,आस्था के अलावा स्थापत्य और शिल्प कला के अद्भुत उदाहरण हैं, इनमें केवल गर्भगृह में भगवान की मूर्ति ही नहीं, पूरे परिसर में पुस्तकालय, अन्नक्षेत्र,जलाशय, रंगमंच के लिए सभागार, अतिथि गृह, पौधे तैयार करने के लिए नर्सरी जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक परिसर होने के साथ ही एक अद्भुत विश्व धरोहर है। उन्होंने कहा कि नवग्रह में सूर्य प्रकाश और ऊर्जा का स्त्रोत है, जो सृष्टि को आगे बढ़ाता है। उसी प्रकार सनातन संस्कृति में संत-महात्मा अपने वस्त्रों के अग्नि समान रंग से मानव समाज को ज्ञान का प्रकाश देते हैं। जैसा हमारे पिंड में है, वही ब्रह्मांड में है। इसीलिए हम विज्ञान के साथ-साथ प्राकृतिक रूप से सृष्टि के संचालन में भी विश्वास रखते हैं। मुख्यमंत्री ने आयोजकों को यंग थिंकर्स के लिए इस तरह के फोरम उपलब्ध कराने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस-2026 आयोजन स्थल पर मंदिर स्थापत्य, बंगाल नरसंहार और भारतीय विचारकों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का उदघाटन किया। साथ ही पुस्तक मेला का भी शुभारंभ किया। उन्होंने पुस्तक मेले में विभिन्न प्रकाशकों के स्टॉलों पर पहुँचकर पुस्तकें देखीं। साथ ही ज्ञानवर्धक पुस्तकें खरीदीं। समारोह को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के उपाध्यक्ष पद्मश्री प्रोफेसर डॉ. भरत गुप्त ने भी संबोधित किया।

पुलिस ने बड़ी मात्रा में गांजा,ड्रग्स एवं स्मैक व ब्राउन शुगर की गई जब्त

मध्यप्रदेश पुलिस की प्रदेशभर में नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई



भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में विगत तीन दिनों में अलग-अलग कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में गांजा, एमडी ड्रग्स एवं स्मैक व ब्राउन शुगर जब्त की है। इन कार्रवाइयों में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त आरोपितों को गिरफ्तार करने के साथ ही तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित लगभग 1 करोड़ 27 लाख 9 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। भोपाल जिले में क्राइम ब्रांच ने एमपी नगर जोन-2 क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए महिला आरोपित को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 14.19 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये है। वहीं वीआईपी गेस्ट हाउस के पीछे निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास ग्राहक को एमडी ड्रग्स की सप्लाई देने पहुंची कानपुर निवासी महिला को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया। महिला के कब्जे से 4.66 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई,जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 35 हजार रुपये है। इसी प्रकार एक अन्य कार्यवाही में क्राइम ब्रांच पुलिस ने 2.46 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। आरोपितों के कब्जे से एमडी ड्रग्स के अतिरिक्त एक दोपहिया वाहन एवं मोबाइल फोन सहित लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये की कीमत संपत्ति जब्त किया गया। इस प्रकार तीनों कार्यवाहियों में पुलिस ने 5 लाख 35 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस मुख्यालय भोपाल से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशानुसार एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार, मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध खेती के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में जबलपुर जिले के थाना भेड़ाघाट पुलिस ने चौकीताल नहर के पास संदिग्ध अवस्था में खड़े स्कार्पियो वाहन की तलाशी ली। वाहन की डिक्की में खाकी टेप से लिपटे 12 पैकेटों में 136 किलो 84 ग्राम गांजा मिला, जिसकी अनुमानित कीमत 68 लाख 42 हजार रुपये है। पुलिस ने गांजे के साथ स्कार्पियो वाहन भी जब्त कर वाहन चालक के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। वहीं, थाना घमापुर पुलिस ने चांदमारी तलैया क्षेत्र में गांजे की बिक्री में संलिप्त महिला को गिरफ्तार किया। उसके घर की अलमारी में रखे थैले से 1 किलो 7 ग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 50 हजार रुपये है। इसी तरह हरदा जिले के थाना सिराली पुलिस ने ग्राम रहटाकलां बस स्टैंड के पास कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। आरोपितों के कब्जे से 99 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 20 लाख रुपये है। आरोपितों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मादक पदार्थ के स्रोत एवं तस्करी नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इंदौर जिले में पुलिस ने थाना हीरानगर क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया।

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने जारी किया 2027 का परीक्षा कैलेंडर

24 जनवरी को पहला प्रीलिम्स,25 प्रतियोगी परीक्षाओं की तारीखें घोषित

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने शुक्रवार को वर्ष 2027 का प्रस्तावित परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की साल में दो बार राज्य सेवा परीक्षा आयोजित कराने की घोषणा के बाद जारी इस कैलेंडर में कुल 25 प्रतियोगी परीक्षाओं का कार्यक्रम शामिल किया गया है। जनवरी से अक्टूबर 2027 के बीच अलग-अलग परीक्षाएं आयोजित करने की तैयारी है। आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक, राज्य सेवा और राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 24 जनवरी 2027 को होगी। इसके बाद 14 फरवरी को राज्य इंजीनियरिंग सेवा और 7 मार्च को राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) आयोजित करने की संभावित तारीख तय की गई है। अप्रैल और मई में भी कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं होंगी। पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी तथा उप संचालक एवं सहायक संचालक (तकनीकी) की परीक्षाएं 18 अप्रैल को प्रस्तावित हैं। राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 25 अप्रैल और राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा (विशेष) 2 मई को होगी। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 10 से 15 मई तक तथा सहायक कुलसचिव परीक्षा 30 मई को आयोजित करने का कार्यक्रम है। जून में 27 तारीख को आयुर्वेद,यूनानी और होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी पदों के लिए परीक्षाएं होंगी। 4 जुलाई को सहायक प्राध्यापक, क्रीड़ा अधिकारी और ग्रंथपाल के पदों के लिए परीक्षा प्रस्तावित है। इसके बाद 25 जुलाई को सहायक प्रबंधक और 1 अगस्त को खनिज निरीक्षक एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी की परीक्षाएं होंगी। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा (विशेष) 9 से 14 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। सितंबर में 26 तारीख को वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान) की परीक्षा होगी। वहीं,17 अक्टूबर को कराधान सहायक और पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के व्याख्याता पदों के लिए परीक्षा प्रस्तावित है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल घोषित तारीखें संभावित हैं। संबंधित विभागों से रिक्त पदों के मांगपत्र मिलने के बाद भर्ती विज्ञापन जारी किए जाएंगे।

नागरिकों की समस्याओं शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाष्त नहीं

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाष अहिरवार ने निगम के सभी विभागों/षाखाओं से संबंधित सी.एम.हेल्प लाईन की लंबित षिकायतों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान



निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि सी.एम.हेल्प लाईन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बर्दाष्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान अपर आयुक्तगण श्री अभिषेक सराफ, श्री वरूण अवस्थी, श्री अमन मिश्रा, श्री अभिषेक सिंह, उपायुक्तगण श्री भुवन गुप्ता, श्री दिनेष सिंह, श्री हीरेन्द्र सिंह कुषवाह, श्री चंचलेष गिरहारे, अधीक्षण यंत्री श्री आर.आर.जरोलिया सहित सभी विभागाध्यक्ष व निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाष अहिरवार ने बुधवार को सी.एम.हेल्प लाईन की लंबित षिकायतों की समीक्षा की और षिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिष्चित करने के निर्देष दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने चेतावनी देते हुए कहा कि सी.एम.हेल्प लाईन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाष्त नहीं की जाएगी। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने समझाइष देते हुए कहा कि शहर के नागरिकों की समस्याओं/षिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के आधार किया जाना सुनिष्चित करें। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने कहा कि किसी भी प्रकार की षिकायत को अनदेखा न करें यदि षिकायत आपसे संबंधित नहीं है तो संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर उसका निराकरण कराना सुनिष्चित करें।

जन विश्वास शिविर में एक ही स्थान पर मिली विभिन्न योजनाओं की जानकारी

भोपाल के जोन क्रमांक 8 में समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए गए निर्देश



भोपाल। मध्य प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान2026 के तहत शुक्रवार को भोपाल के जोन क्रमांक 8 स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड (वार्ड क्रमांक 46) में जनकल्याण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महापौर मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और विधायक भगवानदास सबनानी ने सहभागिता की। शिविर में विभिन्न विभागों ने एक ही स्थान पर नागरिकों के आवेदन लिए,उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की कार्रवाई की। महापौर मालती राय ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के माध्यम से शासकीय सेवाएं नागरिकों के द्वार तक पहुंचाई जा रही हैं। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना और नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सेवा, सुशासन और जन-विश्वास के संकल्प के साथ समाज की अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने शिविर में नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने शासकीय योजनाओं और स्थानीय समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए तथा संबंधित अधिकारियों को उनका परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने वार्ड का निरीक्षण किया और नागरिकों से संवाद कर स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान स्थानीय महिलाओं ने उन्हें पेयजल की समस्या से अवगत कराया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पेयजल और सीवेज की समस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। कॉलोनी में अनधिकृत रूप से शराब बेचे जाने की शिकायत पर उन्होंने पुलिस को तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों को वार्ड में कचरे का समुचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान नागरिकों को गीले और सूखे कचरे को अलग रखने की जानकारी दी गई।

तुलसी शालिग्राम विवाह में सम्मिलित हुए हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा

भोपाल। राजधानी भोपाल में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने तुलसी-शालिग्राम विवाह के पावन अवसर पर कजलीखेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में 1001 तुलसी के पौधों का वितरण किया। इस अवसर पर विधायक शर्मा ने कहा कि तुलसी हमारे सनातन धर्म में पूजनीय है। तुलसी-शालिग्राम विवाह हमारी प्राचीन धार्मिक परंपरा और संस्कृति का प्रतीक है। इस परंपरा के माध्यम से हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी सनातन संस्कारों से जोड़ सकते हैं। विधायक शर्मा ने कहा कि उनका प्रयास है कि तुलसी केवल पूजन तक सीमित न रहे, बल्कि हर घर के आंगन में पहुंचे। इसी उद्देश्य से कजलीखेड़ा में 1001 तुलसी के पौधों का वितरण किया गया है। उन्होंने घोषणा की कि इस अभियान को और विस्तार देते हुए अगले वर्ष 5 हजार तुलसी के पौधों का वितरण किया जाएगा। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण को सदैव पूजनीय माना गया है। तुलसी का पौधा हमारी धार्मिक आस्था, पारिवारिक परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। अधिक से अधिक घरों तक तुलसी पहुंचाना और नई पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति से जोड़ना इस पहल का उद्देश्य है।

बिजली की मांग पर शत-प्रतिशत आपूर्ति कर बनाया नया रिकॉर्ड

भोपाल। मध्य प्रदेश में शुक्रवार सुबह 8 बजकर 55 मिनट पर बिजली की अधिकतम मांग 19,958 मेगावाट दर्ज की गई। खास बात यह रही कि बिजली की इस रिकॉर्ड मांग की शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई। प्रदेश में मांग के अनुरूप पूरी बिजली उपलब्ध कराकर विद्युत कंपनियों ने निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से पूरा किया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश ने अपनी पिछली अधिकतम मांग का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14 जनवरी 2026 को प्रदेश में बिजली की अधिकतम मांग 19,895 मेगावाट दर्ज की गई थी। आज की मांग इससे 63 मेगावाट अधिक रही। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि प्रदेश के मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (सीजेड डिस्कॉम) क्षेत्र में भी बिजली की मांग ने नया रिकॉर्ड बनाया। यहां अधिकतम मांग 6,370 मेगावाट दर्ज की गई, जबकि इससे पहले 14 जनवरी 2026 को 6,362 मेगावाट की मांग दर्ज हुई थी। इस प्रकार मध्य क्षेत्र की मांग में भी पिछले रिकॉर्ड की तुलना में 8 मेगावाट की वृद्धि हुई।

भोपाल में सामूहिक शादी समारोह में 161 जोड़ों का हुआ निकाह

भोपाल। मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना के तहत शुक्रवार को भोपाल में सामूहिक विवाह एवं निकाह समारोह आयोजित किए गए। नगर पालिक निगम भोपाल और सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में आयोजित सामूहिक निकाह कार्यक्रम में 161 जोड़ों का निकाह संपन्न हुआ। वहीं, हिंदी भवन में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में तीन जोड़ों ने वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में आयोजित कार्यक्रम नगर निगम के जोन क्रमांक-5 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-19 में संपन्न हुआ। निकाह की धार्मिक रस्में नायब काजी मौलवी अली कदर हुसैनी ने पूरी कराईं। उन्होंने खुतबा पढ़कर 161 जोड़ों के निकाह की औपचारिकताएं संपन्न कराईं। इस दौरान वर-वधू और उनके परिजनों में उत्साह का माहौल रहा। इसी योजना के तहत हिंदी भवन में भी सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया, जिसमें तीन जोड़ों का विवाह विधि-विधान से संपन्न कराया गया। दोनों आयोजनों में बड़ी संख्या में परिजन और आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पार्षद डॉ.रेहान सिद्दीकी सहित गणमान्य नागरिक,वर-वधू के परिजन, सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आम लोगों को लिए खुलेगा खुशीलाल महाविद्यालय का हर्बल गार्डन

भोपाल। भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा कि पंडित खुशीलाल चिकित्सालय परिसर में चिकित्सालय,महाविद्यालय के हर्बल गार्डन को आमजन के लिए खोलने एवं पंचकर्म सुपर स्पेशलिटी एवं वेलनेस केन्द्र को और अधिक आधुनिक बनाने के लिए स्टीम चैम्बर एवं केरल की केरलीय औषधियों की अनुमति प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित होने वाले सेमिनार रिसर्च पेपर एवं कार्यशालाओं का डेटावेस तैयार करने की भी अनुमति दी जा रही है। संभागायुक्त शर्मा ने खुशीलाल चिकित्सा महाविद्यालय के सभाकक्ष में महाविद्यालय की कार्यकारिणी समिति की बैठक ली। बैठक में परिसर में बनाए गए हर्बल गार्डन को स्कूल के बच्चों के लिए आयुर्वेदिक पौधों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए खोलने की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं को अब हर्बल गार्डन का टूर करवा सकते हैं। इसके लिए प्रति छात्र दस रुपए फीस निर्धारण का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में फार्मेसी बिल्डिंग के निर्माण कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

देव उठने के साथ आज से मांगलिक आयोजन का होगा शुभारंभ

देवउठनी एकादशी के साथ विवाह मुहूर्त शुरू,आज से गूंजेंगी शहनाइयां



भोपाल। देवउठनी एकादशी के साथ ही विवाह समारोहों का सिलसिला शुरू हो गया है। शनिवार, 21 नवंबर को इस साल का पहला विवाह मुहूर्त है। नवंबर में चार और दिसंबर में सात शुभ तिथियां विवाह के लिए उपलब्ध रहेंगी। 12 दिसंबर इस वर्ष का अंतिम विवाह मुहूर्त होगा। इसके बाद खरमास के चलते विवाह आयोजनों पर विराम लग जाएगा। नए साल में 15 जनवरी से विवाह मुहूर्त पुनः शुरू होंगे। चातुर्मास के दौरान विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन सहित अन्य मांगलिक संस्कारों पर विराम लगा हुआ था। इस कारण कई परिवारों ने शादी-ब्याह की तारीखें आगे बढ़ा दी थीं। अब देवउठनी एकादशी के साथ शुभ कार्यों का सिलसिला फिर शुरू हो गया है। चार महीने के इंतजार के बाद विवाह आयोजनों की तैयारियां तेज होंगी। जिन घरों में शादी की तैयारियां थमी हुई थीं, वहां एक बार फिर रौनक लौटेगी। विवाह समारोहों के साथ परिवारों के मिलन और उत्सव का दौर शुरू होगा। वर्ष 2027 में विवाह के लिए कुल 96 शुभ दिन रहेंगे। इनमें मई और जून विवाह आयोजनों के लिहाज से सबसे अनुकूल रहेंगे। दोनों महीनों में मिलाकर 34 शुभ तिथियां उपलब्ध होंगी। वहीं अगस्त,सितंबर और अक्टूबर में विवाह के मुहूर्त नहीं रहेंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,इस अवधि में भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं, इसलिए विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में प्रवेश के साथ धनुमास यानी खरमास शुरू हो जाएगा। इस दौरान विवाह के शुभ मुहूर्त नहीं रहते। 14 जनवरी की रात सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ खरमास समाप्त होगा। इसके बाद 15 जनवरी से विवाह समारोहों के लिए शुभ तिथियां शुरू हो जाएंगी। खरमास की अवधि में मांगलिक आयोजनों से परहेज किया जाता है। इस कारण दिसंबर के मध्य से जनवरी के मध्य तक विवाह समारोहों पर विराम रहेगा। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार,आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस तिथि को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। इसके बाद भगवान विष्णु चार माह तक योगनिद्रा में रहते हैं। इस अवधि को चातुर्मास भी कहा जाता है। चातुर्मास में विवाह, गृह प्रवेश सहित कई मांगलिक कार्यों के आयोजन नहीं किए जाते। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं।

भोपाल के करोंद में 96 लाख की शराब पकड़ने पर सियासत तेज

पुलिस और आबकारी विभाग के दावों पर जीतू पटवारी ने उठाए सवाल

भोपाल। राजधानी भोपाल के करोंद में करीब 96 लाख रुपये की शराब पकड़े जाने के मामले में पुलिस और आबकारी विभाग के अलग-अलग दावों को लेकर सियासत तेज हो गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मामले में सवाल उठाते हुए सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पुलिस शराब को अवैध बता रही है,जबकि आबकारी विभाग के ऑनलाइन सिस्टम में उसकी वैधता दिखाई देने की बात सामने आ रही है। ऐसे में दोनों विभागों के दावों में अंतर की वजह स्पष्ट होनी चाहिए। जीतू पटवारी ने शुक्रवार को मीडिया को बयान जारी कर कहा कि यदि शराब वैध थी, तो पुलिस ने उसे अवैध बताकर कार्रवाई किस आधार पर की? वहीं, यदि उसके परिवहन और भंडारण से जुड़े दस्तावेजों में अनियमितता थी, तो आबकारी विभाग के ऑनलाइन सिस्टम में उसकी वैधता कैसे दर्ज हुई? उन्होंने कहा कि यह मामला केवल दो विभागों के बीच दावों के अंतर का नहीं, बल्कि प्रशासनिक निगरानी और जवाबदेही से भी जुड़ा है। उन्होंने सवाल उठाया कि करीब 96 लाख रुपए की शराब की इतनी बड़ी खेप भोपाल तक कैसे पहुंची और उसके परिवहन व भंडारण की जांच किस स्तर पर की गई? क्या इस दौरान किसी स्तर पर लापरवाही हुई या नियमों का पालन नहीं किया गया? इन सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पीसीसी चीफ पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मामले में हस्तक्षेप कर पुलिस और आबकारी विभाग के दावों की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को दोनों विभागों से तथ्यात्मक जानकारी लेकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि शराब की वैधता की स्थिति क्या थी और कार्रवाई किन आधारों पर की गई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मामले से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने, शराब के परिवहन और भंडारण की प्रक्रिया की जांच कराने तथा यदि कोई अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की।